जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

हिण्डौनसिटी

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौनसिटी, रविवार 12 अप्रैल, 2026

6 LAYER SECURITY

CCTV Surveillance
Security Guard
IP-PBX System
Video Door Phone
Vehicle Monitoring By ANPR Camera
Power Fencing

NO MIDDLE MEN
REAL VALUE
REAL GROWTH
REAL ESTATE
FIXED PRICE

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर
बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

फ्लैट सिर्फ ₹4000/- Sq Ft
कोठी सिर्फ ₹5000/- Sq Ft

FIXED PRICE

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.25 CRORE
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.55 CRORE

KEDIA® | 1800-120-2323 | 78770-72737 | info@kedia.com | www.kedia.com
SCAN QR FOR • LOCATION • ROUTE MAP • SITE 360 TOUR • E-BROCHURE • WALKTHROUGH
*T&C Apply

आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™ Pavitra

FIXED PRICE

500g ₹45.00

भारत का असली
SUPERFOOD

एक्सपोर्ट क्वालिटी | हाईएस्ट ग्रेड | इंदौरी दलिया

देश का एक मात्र ब्रांडेड दलिया

प्रोडक्ट्स कैटेगरी

आटा । सूजी । दलिया । बेसन । दाल । चावल । गेहूँ । पोहा
सोया चंक्स । खड़े मसाले । पिसे मसाले । ब्लेंडेड मसाले । सेंधा नमक
फ्लेवर्ड मखाने । कुकिंग ऑयल । ड्राई फ्रूट्स । चाय । गुड़ । मिश्री

रिटेलर हो या कस्टमर:
कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800 120 2727

54000 + RETAILERS | SUPERMARKETS | ZEPTO
WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP | ORDER ON ZEPTO

T&C Apply

विचार बिन्दु

काम, क्रोध, मद, लोभ सब, नाथ नरक के पंथ। –तुलसीदास

जराजीर्णता प्रतिषेध एवं प्रबंध

कल्पना कीजिए एक 75 वर्षीय दादी, जो कुछ साल पहले तक सक्रिय थीं, अपने पोते-पोतियों के साथ खेलती थीं, और सामुदायिक गतिविधियों में भाग लेती थीं, अब सीढ़ियाँ चढ़ने में कठिनाई महसूस कर रही हैं, अक्सर संतुलन खो देती हैं, और पहले से कहीं अधिक थकान महसूस करती हैं। यह कहानी अनोखी नहीं है। दुनिया भर में, जराजीर्णता-एक जटिल नैदानिक स्थिति, जिसमें शक्ति, सहनशक्ति और शारीरिक कार्यों में कमी होती है-वृद्धों की जनसंख्या के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती प्रस्तुत करती है। 2019 के एक वैश्विक विश्लेषण के अनुसार, जराजीर्णता का प्रभाव 65 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लगभग 10 प्रतिशत लोगों पर होता है, और उम्र के साथ इसकी व्यापकता में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। तेजी से वृद्ध होती जनसंख्या के कारण भारत में जराजीर्णता और आयु से संबंधित स्वास्थ्य गिरावट सामान्य बात होती जा रही है। जहां 112 मिलियन से अधिक बुजुर्ग लोग शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

बुढ़ापे में किसी की मदद के बिना चलने-फिरने, पहनने-ओढ़ने और मलत्याग में सक्षम रहना है तो यह आलेख आपके लिए है।

जराजीर्णता, या फ्रैलटीका आधुनिक विज्ञान और आयुर्वेद दोनों में व्यापक रूप से विमर्श किया गया है। समकालीन शोध ऑक्सीडेटिवस्ट्रेस, इन्फ्लेमेशन, और फ्री रेडिकल क्षित के कारण शारीरिक गिरावट पर केंद्रित है। इसके विपरीत आयुर्वेद उम्र बढ़ने के साथ शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जराजीर्णता की एक समग्र दृष्टि प्रदान करता है। आयुर्वेद के अनुसार, जराजीर्णता तीन दोषों-वात, पित्त और कफ-के असंतुलन और शरीर के ऊतकों (धातु), पाचकाग्नि और मल प्रबंधन प्रणालियों के क्षय के कारण उत्पन्न होती है। वस्तुतः समय के परिणाम से बुढ़ापा और मृत्यु हर व्यक्ति के जीवन में अंततः आते हैं, और बुढ़ापे में होने वाली समस्यायें स्वाभाविक हैं। इनकी चिकित्सा नहीं होती (कालस्यपरिणामेनजरामृत्युनिमित्तजाः। रोगाः स्वाभाविकादृष्टाः स्वभावोनिष्प्रतिक्रियः।। च.शा.1.115)। स्वाभाविक जरावस्था को नहीं टाला जा सकता, पर अकाल-जरा या असमय बुढ़ापे की समस्याओं से निपटने के लिये आयुर्वेद में पर्याप्त, प्रभावी और प्रमाण-आधारित उपाय हैं।

आयुर्वेद उम्र बढ़ने (जरावस्था) को एक प्राकृतिक प्रक्रिया के रूप में मान्यता देता है जो शरीर, इंद्रियों, मन और आत्मा को प्रभावित करती है। जीवन के विभिन्न चरणों में वात, पित्त, और कफ की परस्पर क्रियाशीलता के कारण विशिष्ट शारीरिक परिवर्तन होते हैं। बचपन में कफ दोष का प्रभुत्व होता है, जो वृद्धि और विकास (अनाबॉलिज्म) को बढ़ावा देता है। वयस्कता में पित्त का प्रभुत्व होता है, जो चयापचय और शरीर की कार्यक्षमता को बनाए रखता है। वृद्धावस्था में वात का प्रभुत्व होता है, जो शरीर के गिरावट (कैटाबॉलिज्म) की ओर ले जाता है। कफ के क्षय के कारण बल में कमी होना, वात की वृद्धि के कारण शरीर में दर्द और कॉग्निटिव इम्पेयरमेंट और पित्त की विषमता से अग्नि-वैषम्य बुढ़ापे के मुख्य लक्षण हैं जो जराजीर्णता लाते हैं।

आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण और उनका आयुर्वेद से मेल अब बहुत स्पष्टता से देखा जा सकता है। वर्ष 2019 के विश्लेषण में उद्धृत आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययन पुष्टि करते हैं कि जराजीर्णता कई कारकों, जैसे कि आनुवंशिक प्रवृत्ति, जीवनशैली विकल्प और पर्यावरणीय जोखिमों से प्रभावित होती है। जराजीर्णता के मुख्य कारणों में मांसपेशियों के द्रव्यमान और शक्ति का ह्रास (सार्कोपेनिया), संज्ञानात्मक गिरावट, कुपोषण और गतिशीलता में कमी शामिल हैं। ये स्थितियाँ ऑक्सीडेटिव तनाव और इन्फ्लेमेशन में वृद्धि से जुड़ी होती हैं, जो आगे कोशिका क्षति और उम्र बढ़ने को तेज करती हैं।

रोचक बात यह है कि जराजीर्णता के प्रबंधन के लिए आयुर्वेद की सलाहऔर आधुनिक वैज्ञानिक रणनीतियों के मध्य बड़ी निकटता है। उदाहरण के लिए, आयुर्वेद उम्र से संबंधित शारीरिक गिरावट को रोकने के लिए संतुलित अग्नि (पाचनशक्ति) और वात दोष के प्रबंधन पर जोर देता है। यह दृष्टिकोण ऑक्सीडेटिव तनाव और इन्फ्लेमेशन को कम करने के लिए आधुनिक हस्तक्षेपों के साथ सुसंगत है ताकि उम्र-आधारित रोगजनन की गति को धीमा किया जा सके।

जराजीर्णता की रोकथाम की रणनीतियाँ: जराजीर्णता की रोकथाम और प्रबंधन के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है जिसमें जीवनशैली में परिवर्तन, आहार संबंधी हस्तक्षेप और उपचारात्मक अभ्यास शामिल होते हैं। यहाँ आज तक अद्यतन, प्रमाण-आधारित और सर्वाधिक प्रभावी रणनीतियाँ दी गई हैं: बहुयुक्तव्यायाम वनानुभव समाजोन्मुखता विवाहकर्तव्यनिष्ठा सत्यनिष्ठा शुद्धान्तः वाऽरणोत्तमप्रज्ञाध्यात्मज्ञानसुखायुहितायुसाहाग्निसाम्यं फलशाकविविधाशनमद्यत्यागोदरस्थौल्यमुक्ततासहितंनित्यसेवनीयैरामलक्याद्यैः रसायनैश्चजराजीर्णतायाः प्रतिषेधंकरोति, तत्रसर्वेषुव्यायामरसायनयोः सर्वरसाभ्यासस्य च श्रेष्ठतमत्वम्। (यजुर्विदतन्त्र)। इस सूत्र को विस्तार से समझने के पूर्व इसका अर्थ समझना आवश्यक है। विविध प्रकार के व्यायाम, वनानुभव, समाज से मेल-मिलाप, वैवाहिक और पारिवारिक स्थिति, कर्तव्यनिष्ठा, सत्यनिष्ठा, शुद्ध अंतःकरण, उत्तम प्रज्ञा, अध्यात्मज्ञान, सुखायु (सुखी जीवन) और हितायु (हितकारी जीवन) के साथ-साथ अग्नि का साम्य (पाचनाग्नि का संतुलन), फल और सब्जियों का विविध आहार,मद्य का त्याग, उदरस्थौल्य (तोंद के रूप में पेट की चर्बी) का अभाव, आंवला, द्राक्षा, अनार आदि जैसे नित्य सेवन योग्य रसायन – ये सब मिलकर जराजीर्णता का प्रतिषेध (बचाव, प्रिवेंशन) करते हैं। इनमें से, व्यायाम, रसायन सेवन, और सभी रसों से युक्त नियमित आहार की विविधता बचाव के सर्वोत्तम कारक हैं।

ध्यान दीजिये, यजुर्विदतन्त्र कोई संकलन नहीं बल्कि आयुर्वेद की एक मौलिक संहिता है जो ज्ञान की त्रिवेणी-शास्त्र, साइंस, अनुभव-पर आधारित है व युगानुरूप लिपिबद्ध की जा रही है। उपरोक्त सूत्र जराजीर्णता प्रबंधन एवं प्रतिषेध पर उपलब्ध ज्ञान को एकीकृत कर लिखा गया है। प्राचीन संहिताओं और समकालीन वैज्ञानिक शोध पर प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ 422 मेटा-एनालिसिस, और अनुभवजन्य ज्ञान समाहित हैं। इस सूत्र में प्रदत्त उपयोग-योग्य जानकारी आगे प्रस्तुत है।

आयुर्वेद के अनुसार, पोषक तत्वों के अवशोषण और आत्मसात करने के लिए संतुलित पाचक अग्नि आवश्यक है। वृद्धावस्था में, पाचन दक्षता अक्सर कम हो जाती है, जिससे कुपोषण और जराजीर्णता होती है। इसका प्रबंधन करने के लिए, आयुर्वेद पाचक जड़ी-बूटियों के उपयोग, सावधानीपूर्वक खाने के अभ्यास और उचित पाचन और चयापचय कार्य सुनिश्चित करने के लिए नियमित मलत्याग की सिफारिश करता है।

1. बहु-घटक व्यायाम: जराजीर्णता की रोकथाम और प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। आयुर्वेद के अनुसार, बल के आधे तक नियमित व्यायाम दोषों को संतुलित करता है, विशेष रूप से वात, जो गतिशीलता से जुड़ा होता है। यह मांसपेशियों को मजबूत करता है, सहनशक्ति को बढ़ाता है, और जोड़ों का लचीलापन बनाए रखता है। वैज्ञानिक अनुसंधान से पता चलता है कि बहु-घटक व्यायाम (एरोबिक, प्रतिरोध, संतुलन, और लचीलापन प्रशिक्षण का संयोजन) मांसपेशियों के द्रव्यमान, हड्डियों का घनत्व और समग्र शारीरिक कार्य को सुधारकर जराजीर्णता के जोखिम को काफी कम कर सकता है।

2. आहार विविधता और पौष्टिक भोजन: दोषों को संतुलित करने और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए आयुर्वेद सभी छह रसों (षड रस) से समृद्ध आहार पर जोर देता है। आधुनिक पोषण विज्ञान भी इस सिद्धांत का समर्थन करता है, जो फलों, सब्जियों, साबुत अनाज, फलियां, मेवे और बीजों जैसे खाद्य पदार्थों से समृद्ध विविध आहार का परामर्शदेता है। ये खाद्य पदार्थ एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और खनिजों से भरपूर होते हैं, जो जराजीर्णता की रोकथाम, ऑक्सीडेटिव तनाव और दर्द व सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

3. रसायन: आयुर्वेद के रसायन उम्र बढ़ने को रोकने और दीर्घायु को बढ़ावा देने के लिए निर्धारित की गई है। इसमें आंवला, द्राक्षा, अनार, अश्वगंधा और ब्राह्मी जैसी जड़ी-बूटियों का उपयोग शामिल है, जो एंटीऑक्सीडेंट गुणों और संज्ञानात्मक और शारीरिक कार्य को बढ़ाने की क्षमता के लिए जानी जाती हैं। आधुनिक शोध इन लाभों की पुष्टि करता है, जिससे पता चलता है कि इस तरह की जड़ी-बूटियाँ ऑक्सीडेटिव क्षति को कम करके और कोशिका कार्य में सुधार करके उम्र बढ़ने के प्रभावों में कमी ला सकती हैं।

4. सामाजिक सहभागिता और मानसिक कल्याण: जराजीर्णता केवल एक शारीरिक स्थिति नहीं है; इसका एक महत्वपूर्ण मानसिक घटक भी होता है। आयुर्वेद मानसिक स्वास्थ्य (सत्त्व) पर जोर देता है और ध्यान, आध्यात्मिक गतिविधियाँ (आध्यात्मिक आहार) और सामाजिक सहभागिता जैसी बातों पर सुझाव देता है ताकि मन को संतुलित रखा जा सके। आधुनिक अध्ययन बताते हैं कि सामाजिक सहभागिता और संज्ञानात्मक गतिविधियाँ, संज्ञानात्मक गिरावट को रोकने और मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने में मदद कर सकती हैं, जिससे जराजीर्णता का जोखिम कम हो जाता है।

5. पाचनशक्ति का प्रबंधन और दोष संतुलन: आयुर्वेद के अनुसार, पोषक तत्वों के अवशोषण और आत्मसात करने के लिए संतुलित पाचक अग्नि आवश्यक है। वृद्धावस्था में, पाचन दक्षता अक्सर कम हो जाती है, जिससे कुपोषण और जराजीर्णता होती है। इसका प्रबंधन करने के लिए, आयुर्वेद पाचक जड़ी-बूटियों के उपयोग, सावधानीपूर्वक खाने के अभ्यास और उचित पाचन और चयापचय कार्य सुनिश्चित करने के लिए नियमित मलत्याग की सिफारिश करता है। वैज्ञानिक अध्ययन भी जराजीर्णता की रोकथाम के लिए आंत के स्वास्थ्य और पोषक तत्वों के अवशोषण को बनाए रखने पर जोर देते हैं।

6. शारीरिक-भार और उदर-स्वास्थ्य का रखरखाव: जराजीर्णता की रोकथाम में इष्टतम शरीर भार बनाए रखना और उदर मोटापा (सेंट्रल ओबेसिटी) से बचना आवश्यक है। आयुर्वेद का सुझाव है कि खाने की आदतों के प्रति सचेत रहना और भारी, तैलीय या प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की अत्यधिक खपत से बचना पेट के मोटापे और उससे जुड़े जोखिमों को रोक सकता है। आधुनिक शोध से पता चलता है कि उदर-मोटापा कई क्लिनिकल समस्याओं, जैसे कि मेटाबोलिक सिंड्रोम, मधुमेह और हृदय रोगों से जुड़ा हुआ है। ये सभी रोगजराजीर्णता में योगदान करते हैं।

7. अत्यधिक निष्क्रिय व्यवहार से बचना: आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों इस बात से सहमत हैं कि अत्यधिक निष्क्रिय व्यवहार (सदासन या सीडेंटरीबिहैवियर) स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। चेष्टाद्वेषी व्यक्ति बहुत जल्दी जराजीर्णता में फंस जाते हैं। स्वास्थ्य और जीवन-शक्ति को बनाए रखने के लिए आयुर्वेद शारीरिक निष्क्रियता से बचने और नियमित शारीरिक व्यायाम को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने परामर्श देता है। वैज्ञानिक अध्ययन भी पुष्टि करते हैं कि नियमित व्यायाम, यहां तक कि छोटे अंतराल में भी, मांसपेशियों की शोष को रोक सकता है, हृदय स्वास्थ्य को बनाए रख सकता है, और जराजीर्णता के जोखिम को कम कर सकता है।

8. नित्य-सेवनीय रसायनों का दैनिक उपयोग: आयुर्वेद आंवला (आमलकी), अनार (दाडिम), द्राक्षा (मुनक्का), गाय का दूध और घी जैसे नित्य सेवनीय रसायनों के दैनिक उपयोग की सलाह देता है। इससे स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है और उम्र-आधारित रोगजनन की गति बहुत कम हो जाती है। आधुनिक पोषण विज्ञान यह मानता है कि ये पदार्थ, एंटीऑक्सीडेंट और स्वस्थ वसा से भरपूर होते हैं, जो ऑक्सीडेटिव तनाव से लड़ सकते हैं, व्याधिक्षमत्व (प्रतिरक्षा) को बढ़ा सकते हैं, और रोगरहित दीर्घायु (हेल्थ-स्पान) दे सकते हैं, जिससे जराजीर्णता की रोकथाम हो सकती है। यदि स्वस्थ व्यक्ति के भोजन में प्रतिदिन अनार, आमलकी और द्राक्षा हो तो उस व्यक्ति के स्वस्थ रहे आने की प्रबल संभावना है।

आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान मिलकर जराजीर्णता के प्रबंधन के लिए एक व्यापक रणनीति प्रदान करते हैं। जीवनशैली में संशोधन, आहार हस्तक्षेप, व्यायाम, सामाजिक सहभागिता और रसायन चिकित्सा को एकीकृत करके, हम स्वस्थ उम्र बढ़ने को बढ़ावा दे सकते हैं और जराजीर्णता के जोखिम को कम कर सकते हैं, जिससे उन्नत आयु में भी एक अधिक जीवंत, स्वतंत्र और संतोषजनक जीवन जीने में सक्षम हो सकते हैं।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

पंचायतों और नगरपालिकाओं का समयबद्ध निर्वाचन – राज्य निर्वाचन आयोग का दायित्व

आर. के. पारीक

वर्ष 1994 से पूर्व देश में पंचायतों और नगरपालिकाओं के चुनाव राज्य सरकारों द्वारा कराये जाते थे, जिसके लिये विभिन्न कानून तो थे, लेकिन ऐसे बाध्यकारी कानून नहीं थे कि निर्धारित कार्यकाल में चुनाव हो ही जाये। राज्य सरकार कभी इन संस्थाओं का चुनाव सुविधा अनुसार करा लेती, कभी कार्यकाल समाप्ति से पूर्व इन्हें भंग कर देती, कभी अनिश्चित काल तक चुनाव नहीं होते, और कभी लम्बे समय तक उनका कार्यकाल बढ़ा दिया जाता। कुल मिलाकर इन संस्थाओं में लोकतांत्रिक व्यवस्था अस्त व्यस्त थी और सरकारी अधिकारी ही प्राय इनके मुखिया बने रहते थे। भारत के संविधान के 73वें संशोधन सें पार्ट 9 और 74 वें संशोधन से पार्ट 9-क जोड़कर क्रमशः पंचायती राज संस्थाओं और नगरपालिकाओं के लिये व्यापक प्रावधान किये गये, जो वर्ष 1993 से प्रभावी हुये। इनके द्वारा इन संस्थाओं के समयबद्ध और नियमित चुनाव कराने तथा एक स्वतंत्र चुनाव आयोग के लिये व्यवस्था की गयी।

संविधान के अनुच्छेद 243-ई में पंचायतीराज संस्थाओं और अनुच्छेद 243-यू में नगरपालिकाओं के लिये प्रावधित किया गया है कि संस्था का कार्यकाल पांच वर्ष का होगा, जिसे बढ़ाया नहीं जायेगा, यदि किसी संस्था को कार्यकाल समाप्ति पूर्व भंग करना हो तो उसे पूर्व सुनवाई का अवसर दिया जावेगा, कार्यकाल समाप्ति से पूर्व ही संस्था के गठन हेतु चुनाव कराना अनिवार्य होगा, भंग होने की स्थिति में संस्था का चुनाव केवल उस शेष अवधि तक मान्य होगा जो मूल अवधि में शेष रही, लेकिन 6 महिने से कम शेष अवधि में चुनाव आवश्यक नहीं होगा।

अनुच्छेद 243के और अनुच्छेद 243जैड-ए के अनुसार इन संस्थाओं के निर्वाचनों का संचालन और इसके लिये निर्वाचक नामावलियों की तैयारी का कार्य राज्य निर्वाचन आयोग के नियंत्रण, निर्देशन और अधीक्षण में होंगा। अनुच्छेद 324 में भारत निर्चाचन आयोग को लोकसभा-विधानसभा के निर्वाचनों का संचालन तथा इनके लिये निर्वाचक नामावलियों की तैयार करने के लिये नियंत्रण, निर्देशन एवं अधीक्षण की शक्तियां व अधिकार दिये गये है, वैसे ही अधिकार व शक्तियां राज्य निर्वाचन आयोग को भी अनुच्छेद 243-के और अनुच्छेद 243 जैड-ए में दी गई है। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त को संसद में महाभियोग से ही हटाया जा सकता है, वैसे ही राज्य निर्वाचन आयुक्त को भी संसद में महाभियोग से हटाया जा सकता है ऐसे प्रावधानों का प्रयोजन यही है कि स्थानीय निकाय संस्थाओं के चुनाव भी नियमित रूप से स्वतंत्र आयोग, जो सरकार के अधीन नहीं हो, द्वारा कराये जाते रहे।

इसी विषय मे माननीय सर्वोच्च न्यायालय की पाँच जजों की संविधान पीठ ने सिविल (अपील) संख्या 5756/2005 किशनसिंह तोमर बनाम नगर निगम अहमदाबाद में एक महत्वपूर्ण लैण्डमार्क निर्णय पारित किया जिसमें सभी राज्य सरकारों ओर राज्य निर्वाचन आयोगों के लिये निर्देश भी दिये गये। इन निर्देशों में मुख्य मुख्य बातें इस प्रकार है:-

1. संस्थाओं का चुनाव पाँच वर्ष के कार्यकाल की समाप्ति से पूर्व ही होना बाध्यकारी है और इनका कार्यकाल नहीं बढ़ाया जा सकता,

2. राज्य निर्वाचन आयोग और भारत निर्वाचन आयोग का समान स्टेटस है और समान प्रकार की शक्तियां प्राप्त है,

3. परिसीमन कार्य के लंबित रहने या मतदाता सूचियां नहीं बनने या अन्य प्रशासनिक कठिनाईयों को चुनाव स्थगित करने का आधार नहीं बनाया जा सकता,

4. यदि संस्था का कार्यकाल समाप्ति की ओर हो लेकिन वार्डो/निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन का कार्य पूर्ण नहीं हुआ या मतदाता सूचियां अद्यतन नहीं है, तो वर्तमान में जो भी वार्ड/निर्वाचन क्षेत्र और मतदाता सूचियाँ हो, तो उन्हीं के आधार पर चुनाव करा लिये जायें, लेकिन चुनाव निर्धारित समयावधि में ही हो,

5. समयबद्ध चुनाव सम्पन्न कराने में राज्य सरकार राज्य निर्वाचन आयोग की सहायता करेगी,

6. यदि राज्य सरकार अपेक्षित सहयोग नहीं करें तो राज्य निर्वाचन आयोग का कत्तर्व्य होगा कि वह सर्वप्रथम उच्च न्यायालय में एप्रोच करें और वहां भी यदि सफलता प्राप्त ना हो तो राज्य सरकार को निर्देशित कराने हेतु माननीय सर्वोच्च न्यायालय में मेण्डामस रिट या अन्य समुचित रिट के माध्यम से प्रकरण प्रस्तुत करें।

उपरोक्त संवैधानिक व्यवस्था और सर्वोच्च न्यायिक निर्देशों की क्रियान्विती राजस्थान में किस प्रकार हुई और अब कैसे हो रही है, यह गौर करने लायक है। राज्य में राज्य निर्वाचन आयोग की स्थापना जुलाई, 1994 में हुयी थी तब राज्य में सभी पंचायतीराज संस्थाओं और जयपुर, जोघपुर, कोटा जैसे बड़े-बड़े नगर निगमों, नगर परिषदों सहित 44 नगरपालिकाओं के चुनाव कई वर्षो से बकाया थे। संविधान संशोधन के फलस्वरूप इन संस्थाओं के चुनाव के लिये बने पूर्व के कानून बदले गये, नया पंचायतीराज अधिनियम, 1994 बना और राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 1959 में भी व्यापक संशोधन किये गये। साथ ही चुनाव प्रक्रिया भी नये सिरे से निर्धारित करने के नियम बनाये गये। आयोग को अपना कार्य नये सिरे से शून्य से प्रारम्भ करना था।

तत्कालीन राज्य सरकार के मुखिया की मंशा थी कि यह राज्य देश के उन अठाणी राज्यों में हो जहां संविधान संशोधन की क्रियान्विती में सभी चुनाव शीघ्र सम्पन्न हो, साथ ही राज्य निर्वाचन आयोग भी भारत निर्वाचन आयोग की भाँति एक सशक्त व स्वतंत्र आयोग बने। गठन के बाद अगस्त, 1994 में आयोग में जिला निर्वाचन अधिकारियों की प्रथम बैठक थी, जिसमें मुख्यमंत्री ने स्वयं आकर राज्य निर्वाचन आयोग और जिला निर्वाचन अधिकारियों को अपने उद्बोधन में सरकार के पूर्ण सहयोग का आश्वासन भी दिया।

ऐसी बैठक में ऐसी उपस्थिति एकमात्र उदाहरण है लेकिन जैसा उन्होंने बैठक में आश्वासन दिया वह पूर्ण भी हुआ। सरकार के सहयोग और आयोग के कठिन परिश्रम का ही परिणाम था कि नये सिरे से परिसीमन का कार्य भी हुआ और साथ ही साथ नयी मतदाता सूची तैयारी, चुनाव प्रक्रिया हेतु नये निर्देश, नयी स्टेशनरी, नये प्रपत्रों की तैयारी व मुद्रण, चुनाव सामठाी की आपूर्ति आदि समस्त कार्य कई कठिनाईयों के बावजूद पूर्ण हुये और नगरपालिकाओं के सभी बकाया चुनाव नवम्बर, 1994 में तथा पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव जनवरी-फरवरी, 1995 में सम्पन्न हो गये। आयोग द्वारा कराया गया यह चुनाव पहला चुनाव था, जिसमें सरकार का पूर्ण सहयोग था, लेकिन इसके बाद स्थिति में बदलाव आया।

राजस्थान ऐसे बिरले और सौभाग्यशाली राज्यों में से एक है, जहां आयोग की स्थापना से लेकर लगातार पाँच कार्यकालों में (पच्चीस वर्ष) तक यानि वर्ष 1994 से लेकर वर्ष 2019-20 तक पंचायतीराज संस्थाओं और नगरपालिकाओं में निर्वाचित बोर्ड कार्यरत रहे, हालांकि प्राकृतिक आपदाओं या कानून-व्यवस्था बिगडने के कुछेक मामलों में अपवाद अवश्य रहा। इस अवधि में भी यदाकदा राज्य सरकार द्वारा चुनाव स्थगित कराने के प्रयत्न हुये लेकिन आयोग की सजगता और प्रतिरोध से समय पर चुनाव करा लिये गये।

नवम्बर, 1999 में जब नगरपालिकाओं के चुनाव होने थे राज्य सरकार ने परिसीमन/आरक्षण का आधार लेकर चुनाव स्थगित करने का आयोग से अनुरोध किया जिसे आयोग ने स्वीकार नहीं किया। इसके बाद एक निजी याचिका पर माननीय उच्च न्यायालय की एकलपीठ द्वारा चुनाव को स्थगित करने का आदेश पारित कर दिया गया तो आयोग ने तुरन्त ही माननीय उच्च न्यायालय की डबल बैंच में अपील प्रस्तुत की, तोराज्य सरकार ने भी आयोग का विरोध करते हुये चुनाव स्थगित करने की मांग की, लेकिन न्यायिक निर्णय आयोग के पक्ष में ही रहा और अवशेष रहे आरक्षित वार्डो का उसी समय निर्धारण करते हुये चुनाव निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सम्पन्न हो गये।

वर्ष 2000 में राज्य कर्मचारियों की व्यापक हड़ताल होने के बावजूद पंचायत चुनाव सरकार की मदद से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुये। वर्ष 2004 में जब पंचायत चुनाव होने थे, तब फिर परिसीमन कार्य में विलंब होने लगा और आयोग के निरंतर आग्रह पर भी कार्य में प्रगति नहीं हो रही थी। माननीय उच्च न्यायालय, जोधपुर की खण्ड पीठ में प्रस्तुत निजी याचिका पर सख्त न्यायिक निर्देश के बाद परिसीमन का कार्य तुरन्त पूर्ण हुआ और चुनाव भी निर्धारित कार्यकाल में ही सम्पन्न हुये।

कार्यकाल समाप्ति पर अगस्त, 2010 में 127 नगरपालिकाओं के चुनाव होने थे लेकिन महिला आरक्षण के कोटा संबंधी बिन्दु पर राज्य सरकार द्वारा सर्वोच्च अदालत में प्रस्तुत एस.एल.पी. की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने चुनाव स्थगित कराने का भी अनुरोध कर दिया जिसे मान लिया गया और चुनावों पर स्थगन आदेश पारित हो गया। आयोग को जैसे ही इसकी जानकारी हुयी तो सरकार के विरूद्ध माननीय सर्चोच्च न्यायालय में अविलंब प्रार्थना पत्र आयोग द्वारा प्रस्तुत कियागया। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने ना केवल स्थगन आदेश को वापिस लिया, बल्कि सरकार को भी निर्देश दिये कि वह आयोग का सहयोग करें।

आयोग की स्थापना से लेकर वर्ष 2019-20 तक लगातार पाँच कार्यकालों में स्थानीय निकायों के निर्वाचित बोर्ड रहे। लेकिन इसके बाद क्या हुआ ? स्थिति सर्वज्ञात है। कभी संस्थाओं के पुनर्गठन या नये परिसीमन या कोविड को आधार बनाकर पंचायतीराज संस्थाओं और कई नगरपालिकाओं के चुनाव टाले जाते रहे। वर्तमान परिदृश्य में अधिकांश संस्थाओं का कार्यकाल समाप्त हुये एक अरसा हो गया लेकिन इनका चुनाव कब हो पायेगा, निश्चित नहीं हो पा रहा।

चुनाव कराने में मुख्य बाधा बतायी जा रही है, पिछड़े वर्गो के लिये आरक्षण का कार्य शेष रहना और परिसीमन में विलंब होना। संविधान के अनुसार इन संस्थाओं में अनुसुचित जातियो/जनजातियों तथा महिलाओं का आरक्षण बाध्यकारी है। लेकिन पिछड़े वर्गो के लिये आरक्षण अनुमत (झीस्गेंत) है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने पृथक आयोग के माध्यम से ट्रिपल टेस्ट में निर्धारित मापदण्ड पूर्ण होने पर ही पिछड़े वर्गा के लिये इन संस्थाओं में आरक्षण को मान्यता दी है।

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा विकास किशन गवली बनाम स्टेट ऑफ महाराष्ट्र प्रकरण में पारित निर्णय (वर्ष 2021) के बाद यह स्पष्ट हो गया था कि ट्रिपल टेस्ट फार्मूले के बिना इन संस्थाओं में पिछड़े वर्गो के लिये आरक्षण नहीं हो पायेगा तब भी इसके लिये यथोचित प्रयास नहीं हुये और पृथक आयोग की स्थापना कई वर्षो तक नहीं हुई। इस दौरान अलग-अलग सरकारें रही, लेकिन दोनों ही सरकारों में यथासमय कार्य नही हुआ। पंचायतों व नगरपालिकाओं का कार्यकाल पूरा होने के बाद अब ट्रिपल टेस्ट के लिये आयोग कार्य कर रहा है, कब इसकी रिर्पोट आयेगी,कब आरक्षण हो पायेगा, अनिश्चित सा है। अनुसूचित जाति/जन जातियों व महिलाओं के लिए आरक्षण का कार्य जब भी सरकार चाहे वह तुरन्त हो सकता है, क्योंकि वार्ड परिसीमन के बाद इसके आंकड़े उपलब्ध रहते है।

इन संस्थाओं के परिसीमन का कार्य कौन प्राधिकारी करे, इसके लिये संविधान में नहीं बताया गया है। राज्य विधान मण्डल ही इसका कानून बनाने में सक्षम है। राजस्थान में परिसीमन व आरक्षण का कार्य राज्य सरकार के अधीन है, फिर भी राज्य निर्वाचन आयोग को भी जानकारी में रहता है कि परिसीमन व आरक्षण संबंधी कार्य राज्य सरकार द्वारा कराया जा रहा है तो किस स्तर तक पूरा हुआ है और कितना अवशेष है।

समय पर चुनाव कराने का दायित्व आयोग का है जिसके लिये संविधान ने इसे स्वतंत्र स्टेट्स प्रदान किया है और आयोग बना ही इसी प्रयोजन से है। यदि संस्थाओं के चुनाव कराने की दिशा में परिसीमन या आरक्षण का कार्य सरकार के स्तर पर लंबित चल रहा था तो आयोग को इसके लिए राज्य सरकार से निरन्तर आग्रह करते हुये प्रयास करने चाहिये थे और जैसा पूर्व होता भी रहा। राज्य सरकार इन संस्थाओं के चुनाव निर्धारित समय पर सम्पन्न कराने में सहयोग नहीं देती, तो आयोग का कत्तर्व्य होना चाहिये था, जैसा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने किशनसिंह तोमर प्रकरण में निर्देश प्रदान किये थे, कि वह सर्वप्रथम तो माननीय उच्च न्यायालय में याचिका प्रस्तुत कर एप्रौच करता और यहां भी सफलता नहीं मिलती तो माननीय सर्वोच्च न्यायालय में मेण्डामस या अन्य उपयुक्त याचिका के माध्यम से राज्य सरकार को निर्देश जारी कराने हेतु प्रयास करना चाहिये था।

आवश्यकता होने पर पूर्व उदाहरणों को देखते हुये सरकार से स्वतंत्र और निडर होकर न्यायपालिका की यथासमय शरण लेनी चाहिये थी। अब तो बहुत अधिक विलंब हो चुका है, यदि समय रहते माननीय सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ के वर्ष 2006 में दिये गये निर्देशों पर गौर कर कार्यवाही की गई होती तो चुनाव समयबद्ध सम्पन्न हो सकते थे।

–आर. के. पारीक,
पूर्व आर. ए. एस. अधिकारी

नशे के खिलाफ जयपुर पुलिस का बिगुल : "नो टू ड्रग्स-वेक अप जयपुर" अभियान शुरू

राजेश यादव

जयपुर पुलिस द्वारा युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने एवं समाज को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से विशेष अभियान बिगुलः 'नो टू ड्रग्स -वेक अप जयपुर' संचालित किया जा रहा है।

पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी, विक्रय एवं सेवन की रोकथाम हेतु राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर विभिन्न कानून बनाए गए हैं, किन्तु युवाओं को नशे से पूर्णतः दूर रखने के लिए शैक्षिणक संस्थानों के माध्यम से जागरूकता फैलाना अत्यंत आवश्यक है। स्वस्थ एवं सशक्त युवा पीढ़ी का निर्माण कर परिवार, समाज एवं राष्ट्र की उन्नति में योगदान देना हम सभी का दायित्व है।

उन्होंने कहा कि पुलिस, शिक्षक वर्ग, स्वयंसेवी संगठन, विद्यालय प्रबंधन एवं समाज के संभ्रांत नागरिकों के संयुक्त प्रयास से शैक्षिणक संस्थानों में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, जिससे युवाओं को नशे से दूर रखा जा सके। अभियान के तहत आयुक्तालय जयपुर के सभी जिलों के शैक्षिणक संस्थानों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए जागरूकता, आंकड़ों का संकलन एवं आवश्यकतानुसार कानून सम्मत कार्यवाही की जाएगी।

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत स्कूल एवं कॉलेजों में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों एवं कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक करने, रैली, नुक्कड़ नाटक एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित करने, निबंध, पोस्टर, चित्रकला व फोटोग्राफी प्रतियोगिताओं के माध्यम से जन-जागरूकता बढ़ाने, विद्यार्थियों की काउंसलिंग कर नशा उपलब्ध कराने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करने, शैक्षिणक संस्थानों के आसपास मादक पदार्थों की बिक्री पर रोक सुनिश्चित करने, अभिभावकों-शिक्षकों की सहभागिता बढ़ाने, विधिक साक्षरता कार्यक्रमों के आयोजन, नशामुक्ति एवं पुनर्वास केन्द्रों के भ्रमण तथा पुलिस, एनजीओ एवं विशेषज्ञों के समन्वय से युवाओं को नशे से दूर रखने हेतु व्यापक प्रयास किए जाएंगे। इस अभियान के माध्यम से जयपुर पुलिस, शिक्षा विभाग एवं समाज के सभी वर्गों के सहयोग से युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाकर एक स्वस्थ, सुरक्षित एवं अपराध मुक्त समाज की परिकल्पना को साकार करने का प्रयास कर रही है। जयपुर पुलिस द्वारा संचालित यह अभियान मई माह में शैक्षिणक संस्थान प्रारम्भ होने के साथ ही शुरू किया जाएगा। पुलिस आयुक्त श्री सचिन मित्तल ने बताया कि प्रथम चरण में 10 मई से 25 मई तक विशेष कार्यवाही की जाएगी तथा इसकी रिपोर्ट 26 मई तक पुलिस आयुक्त कार्यालय में भिजवाई जाएगी। इसके बाद यह अभियान प्रत्येक माह 1 से 15 तारीख तक संचालित कर रिपोर्ट 16 तारीख तक कंट्रोल रूम के माध्यम से भेजना सुनिश्चित किया जाएगा।

–राजेश यादव, सहायक निदेशक, पुलिस आयुक्तालय, जयपुर

राशिफल रविवार 12 अप्रैल, 2026

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2083, श्रवण नक्षत्र दिन 3:14 तक, साध्य योग सायं 6:16 तक, वणिज करण दिन 12:57 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 3:45 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मीन, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

भद्रा दिन 12:57 से रात्रि 1:17 तक रहेगी। पंचक रात्रि 3:45 से आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:45 से 9:19 तक, लाभ-अमृत 9:19 से 12:28 तक, शुभ 2:02 से 3:36 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:10, सूर्यास्त 6:45

मेष

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

मिथुन

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। धन हानि हो सकती है।

कर्क

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण एवं धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सिंह

स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कन्या

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

तुला

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

धनु

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मकर

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कुंभ

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। आज मन में असंतोष बना रहेगा।

मीन

आर्थिक/वित्तिय मामलों में संतुलन बना रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में आज उचित सफलता मिल सकती है। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 160 प्रभात हिण्डौन सिटी, रविवार 12 अप्रैल, 2026 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

राहुल गांधी को भारी दुविधा में डाला महिला आरक्षण विधेयक ने

राहुल गांधी विधेयक में ओबीसी कोटा यानी कोटे में कोटा के लिए संघर्ष कर रहे थे

- पर, राहुल की ''किचन कैबिनेट'' जय जगत का मत है, राहुल को विधेयक में ओबीसी कोटा की मांग नहीं उठानी चाहिए, बल्कि विधेयक में दलित कोटा डालने की मांग पर अड़ना चाहिए।
- ऐसी दुविधा राहुल गांधी के समक्ष बिहार चुनाव अभियान के दौरान भी आई थी इसलिए वहाँ चुनाव अभियान के दौरान वे अचानक ही ओबीसी की बात त्याग कर दलित उत्थान की बात करने लगे थे।
- अब अगर राहुल ओबीसी कोटा की बात करते हैं, जैसा कि संपूर्ण विपक्ष चाहता है या तो जय जगत ग्रुप नाखुश होता है और अगर दलित उत्थान की बात करते हैं तो जय जगत ग्रुप खुश होता है, पर, विपक्ष निराश होता है।
- और अगर ओबीसी कोटा की बात करते-करते अचानक दलित उत्थान की ही बात करते हैं तो वर्तमान राजनीति परिस्थिति में यह उचित नहीं लगता और वे अचानक दलित उत्थान की बात छोड़कर ओबीसी कोटा पर जोर देने लगते हैं, तो यह छवि बनती है कि शायद राहुल ओबीसी व दलित के फर्क से पूरी तरह परिचित नहीं हैं। यह भी राहुल की छवि के लिए ठीक नहीं है।

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 11 अप्रैल। महिलाओं के आरक्षण बिल को दो-तिहाई बहुमत से पास कराने के लिए सरकार को 364 मतों की आवश्यकता है, जो बिना विपक्ष के सक्रिय सहयोग, समर्थन और मतदान के हासिल करना थोड़ा कठिन है।

विपक्षी दल राहुल गांधी पर इस बात का बहुत दबाव डाल रहे हैं कि वे महिलाओं के आरक्षण बिल में (अन्य पिछड़ा वर्ग) मुद्दे को मजबूत ढंग से उठाएं। इस ''कोटा के भीतर कोटा'' ने सरकार की स्थिति को कठिन बना दिया है।

विपक्षी नेता यह भी जिद कर रहे हैं कि राहुल गांधी ओबीसी मुद्दे को पूरे देश स्तर पर उठाएं।

समस्या यह है कि अपनी करीबी ''जय जगत'' टीम के प्रभाव में, राहुल गांधी ने ओबीसी मुद्दे को किनारे कर दिया है, वास्तव में उन्होंने इसे तो छोड़ दिया और दलित मुद्दे को उठा लिया। यह बिहार चुनाव के दौरान भी दिखा, जब राहुल ने अचानक अपनी रणनीति बदल दी थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोने के खनन को लेकर चिंता जताई थरूर ने

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अप्रैल। कांग्रेस सांसद शशि थरूर का कहना है कि भारत ऐसा देश है, जहाँ स्वर्ण धातु के लिए भारी जुनून है। हम अनुमानित 500 मिलियन टन सोने के अयस्क भंडार पर बैठे हैं, लेकिन हमारा घरेलू उत्पादन वैश्विक रजिस्टर में न्यूनतम है, हम सिर्फ थोड़ी सी मात्रा में सोना निकालते हैं, सालाना लगभग डेढ़ टन, जबकि ऑस्ट्रेलिया, घाना और पेरू की खानों से सैकड़ों टन सोना निकालने के लिए अपने विदेशी मुद्रा भंडार को खर्च करते

- कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, हमारे पास स्वर्ण अयस्क (गोल्ड और) के 500 मिलियन टन भंडार हैं, पर, हम साल में सिर्फ डेढ़ टन सोना ही निकालते हैं।

हैं। यह स्थिति सिर्फ विडंबना नहीं है, यह एक आत्म प्रहार है, जो हमारी आर्थिक संप्रभुता को कमज़ोर करता है, जबकि विश्व व्यवस्था टूट रही है।''

उन्होंने आगे कहा, ''एक संभावित खननकर्ता को जो नियामक भूलभुलैया पार करनी पड़ती है, वह इतनी जटिल और प्राचीन है कि यह वास्तव में अड़चन की तरह काम करती है।

थरूर ने यह भी बताया कि जहाँ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका-ईरान वार्ता शुरु हुई, पर शुरुआत काफी ढुलमूल सी है

वार्ता बीच में ही टूटने के आसार हैं, अतः मामूली सी सफलता का बड़े जोर-शोर से स्वागत हो रहा है

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अप्रैल। ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता शुरू हो गई, सभी आशंकाओं के बावजूद, हालांकि शुरुआत अस्थिर रही। विफलता के डर के कारण, हर छोटी प्रगति को भी खास तौर पर महत्व दिया जा रहा है।

बहुत कम उम्मीदों के साथ, यह वार्ता कुछ ठोस परिणाम भी दे सकती है। कूटनीतिक सौदेबाजी के दौरान ऐसा प्रतीत होता है कि ईरान का पलड़ा भारी है और वह अपेक्षित से अधिक लाभ कमा रहा है।

होर्मुज़ स्ट्रेट के तुरंत पुनः खोलने के मुद्दे को टालते हुए, ईरान अपनी आर्थिक प्राथमिकताओं को वार्ता शुरू होने से पहले उजागर कर रहा है। भारी आर्थिक दबाव में, ईरान ने अमेरिका से वार्ता की शुरुआत में ही एक बड़ी रियायत हासिल कर ली है।

ईरानी प्रतिनिधिमंडल के नेता मोहम्मद बगर गलीबाफ ने मांग की कि अमेरिकी प्रतिबंधों के तहत विभिन्न ईरानी संस्थाओं के भारी वित्तीय संसाधन जब्त किए गए हैं। जब्त की गई ईरानी धनराशि को वार्ता शुरू होने से

- अभी तक तो यह ही छवि बनी है कि ईरान हावी है तथा ट्रंप किसी भी तरह वार्ता जारी रखना चाहते हैं।
- इस माहौल में ईरान ने प्रारंभ में अपनी बात मनवा ली कि ''फ्रीज़'' खातों से पैसे रिलीज़ होंगे, अमेरिका 6 बिलियन डॉलर कतर बैंक से रिलीज़ कराने को तैयार है।
- ईरान के दबाव में अमेरिका ने इज़रायल को लेबनान पर फिलहाल बमबारी रोकने की सलाह/आदेश दिए हैं तथा बमबारी काफी कम हो गई है।
- इस भगदड़ के माहौल में होर्मुज़ स्ट्रेट खुलवाने की बात भी गौण सी हो गई है। ट्रंप की मजबूरी यह है कि अमेरिका में कीमतें एक प्रतिशत बढ़ गई हैं तथा महँगाई 3.3 प्रतिशत बढ़ी है।

पहले ही जारी किया जाना चाहिए।

हालांकि अमेरिका लगातार यह कह रहा है कि अगर वार्ता विफल होती है तो इसका बड़ा नकारात्मक प्रभाव होगा, पर ऐसा प्रतीत हो रहा है कि ट्रंप युद्ध से स्थायी निकासी के लिए समाधान खोजने के लिए बेताब हैं। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका ने वार्ता शुरू होने से पहले ही कतर के बैंक में रखी 6 बिलियन डॉलर की राशि जारी करने पर सहमति दे दी है।

ईरान ने यह भी कहा कि लेबनान पर हमला करना और वार्ता को जारी रखना एक साथ नहीं हो सकता। वार्ता शुरू होने से पहले लेबनान में ईरान के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान मान भी जाए तो भी नहीं खुल पाएगा होर्मुज़ स्ट्रेट!

असल में ईरान ने युद्ध के दौरान होर्मुज़ स्ट्रेट में कई ''नेवल माइन्स'' बिछाई थीं, पर उसे खुद याद नहीं कि ये माइन्स किस जगह पर हैं

- न्यूयॉर्क टाइम्स में छपी रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के पास इस बात का कोई रिकॉर्ड नहीं है कि उसने किस-किस जगह पर ''माइन्स'' बिछाई थीं, यही नहीं समुद्री लहरों से माइन्स के जगह बदलने का भी खतरा है।
- ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि होर्मुज़ स्ट्रेट खोलने से पहले कई तकनीकी सीमाओं पर विचार करना होगा। अमेरिकी विशेषज्ञ इसे ''माइन्स'' बिछाने की स्वीकारोक्ति मान रहे हैं।

- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 11 अप्रैल। भले ही ईरान अमेरिकी शर्तों के अनुसार व्यावसायिक जहाजों को होर्मुज़ (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़) से स्वतंत्र और निर्बाध रूप से गुजरने की अनुमति देने के लिए तैयार हो जाए, ताकि संघर्ष को औपचारिक रूप से समाप्त किया जा सके, फिर भी तेहरान के सामने एक असामान्य कठिनाई है। जाहिर तौर पर, ईरान भूल गया है कि उसने स्ट्रेट में कितनी नेवल माइन्स बनाने की योजना बनाई थी, या वे कहाँ हैं। अमेरिकी रिपोर्टों के अनुसार, नौसैनिक खानों को ईरान ने न तो तेज़ और न ही कुशल तरीके से बिछाया था। न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के पास बिछाई गई खानों की संख्या और स्थान का सटीक रिकॉर्ड नहीं हो सकता। रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि जल-धाराओं के कारण उनमें से कुछ खानों का मूल स्थान भी बदल जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। खाने बेतरतीब तरीके से बिछाई गई थीं, जिससे व्यवस्थित रूप से उन्हें हटाना अत्यंत कठिन हो गया।

स्ट्रेट को जल्दी ही नहीं खुलवा पाने का स्पष्ट रूप से कूटनीतिक असर होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अस्थायी युद्धविराम की संभावना को जलमार्ग को पूर्ण, तात्कालिक और सुरक्षित खोले जाने से जोड़ा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अप्रत्यक्ष रूप से इस समस्या को स्वीकार करते हुए कहा है कि स्ट्रेट का पुनः खुलना तकनीकी सीमाओं के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खेड़ा को मिली एक सप्ताह की ट्रांज़िट अग्रिम जमानत

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अप्रैल। तेलंगाना हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता और पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा को असम पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के संबंध

- तेलंगाना हाई कार्ट ने असम पुलिस द्वारा गिरफ्तारी के खेड़ा के भय को स्वीकार किया और सुप्रीम कोर्ट के नियमों के तहत सीमित सुरक्षा प्रदान की। अब खेड़ा को 7 दिन में असम की किसी कोर्ट से जमानत लेनी होगी।

में एक सप्ताह की ट्रांज़िट अग्रिम जमानत दी। यह एफआईआर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी ने राहुल से बात की, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

सूत्रों ने बताया कि प्र.मंत्री ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से उनकी माँ सोनिया गांधी के स्वास्थ्य के बारे में पूछा

- सूत्रों ने बताया कि राहुल ने कहा कि अब उनका स्वास्थ्य सुधर रहा है तो प्रधानमंत्री ने संतोष जताया और शुभकामनाएं दी।
- यह मौका था ज्योतिराव फुले की जयंती के अवसर पर संसद परिसर में उन्हें श्रद्धांजलि देने का, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एक साथ थे।
- सोशल मीडिया पर इस वीडियो की काफी चर्चा हुई। यूज़र्स ने इसे वर्तमान राजनैतिक वैमनस्य के माहौल में दुर्लभ क्षण बताया।

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 11 अप्रैल। संसद में दिन के उजाले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बीच हुई छोटी और सौहार्दपूर्ण बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के साथ चर्चा का विषय बन गया।

दो नेताओं के बीच यह संवाद - जो वर्तमान भारत की ध्रुवीकृत राजनीति में दुर्लभ है - पुरानी यादों को ताजा कर देता है, जब सत्ताधारी दल और विपक्ष राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हुआ करते थे, शत्रु नहीं।

हालांकि बातचीत की सामग्री को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन सत्ताधारी पार्टी के सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री ने गांधी से उनकी माता और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के स्वास्थ्य के बारे में पूछा, जिन्हें हाल ही में अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

एक सूत्र ने कहा, गांधी ने उन्हें बताया कि उनका स्वास्थ्य सुधर रहा है। जवाब में प्रधानमंत्री ने संतोष व्यक्त किया और शुभकामनाएं दीं।

सोनिया गांधी को 31 मार्च को सिस्टीमिक इंफेक्शन से ठीक होने के बाद सर गंगा राम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। उन्हें 24 मार्च को बुखार के कारण भर्ती कराया गया था।

प्रधानमंत्री और कांग्रेस सांसद उन नेताओं में शामिल थे, जो शनिवार को संसद परिसर में समाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव फुले की 200वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए जमा हुए थे।

शनिवार सुबह पर प्रधानमंत्री मोदी ने फुले को ''मार्गदर्शक प्रकाश'' कहा और लिखा कि शिक्षा, सीख और सबके कल्याण पर उनका जोर आज के समय में भी प्रासंगिक है।

उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद प्रधानमंत्री ने लिखा, संसद परिसर में महात्मा फुले को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके आदर्श अनगिनत लोगों को शक्ति और आशा देते रहें।

दृश्यों में दोनों नेताओं को पास-पास खड़े दिखाया गया, जो एक छोटी लेकिन एकाग्र बातचीत में व्यस्त थे, उसके बाद उन्होंने अपने-अपने कार्यक्रम जारी रखे। भले ही यह बातचीत क्षणिक थी, लेकिन सत्तारूढ़ भाजपा और कांग्रेस के बीच लगातार होने वाले राजनीतिक झगड़ों के बीच यह अलग नज़र आई। यह दृश्य देखने वाले पर्यवेक्षकों ने इस आदान-प्रदान पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अब बची छुट्टियों का पैसा मिल सकेगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अप्रैल। सरकार नए लेबर कोड्स के तहत लीव एन्कैशमेंट (छुट्टी का भुगतान) नियमों को सरल और मानकीकृत करने की तैयारी कर रही है। अब कर्मचारियों को

- सरकार नए लेबर कोड़ के तहत छुट्टियों के भुगतान के नियमों को सरल करने की तैयारी में हैं। अब बची छुट्टियों के भुगतान के लिए रिटायरमैंट तक प्रतीक्षा नहीं करनी होगी।

हर साल अपनी अप्रयुक्त छुट्टी का पैसा लेने का विकल्प मिलेगा।

अब किसी को भी 30 दिन से अधिक छुट्टी के बदले वित्तीय मुआवजा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हमारे इरादे नेक हैं, पर, हमारा अमेरिका में विश्वास डगमगा रहा है'

ईरान के प्रतिनिधिमंडल के मुखिया मोहम्मद बकर गलीबाफ ने वार्ता शुरु होने से पहले यह भी कहा, ''अमेरिका से बातचीत का सिलसिला ''फेलियर'' व टूटे हुए वादों से अटा हुआ है

- ट्रंप ने बातचीत के दौर की शुरुआत अपनी छाती ठोकते हुए, बडबोलेपन से की और कहा, ''ईरान एक फेल्ड राष्ट्र है'' और अगर बातचीत सफल नहीं हुई तो वे दोबारा लड़ाई शुरु करने के लिए तैयार हैं।
- ट्रंप ने यह भी दंभ भरा कि उसके पास सबसे बड़े ऑयल प्रॉडयूसिंग देश के पास जितना ऑयल है, उससे ज्यादा ऑयल है और अब बड़े-बड़े ऑयल टैंकर बीच में ही अपना रास्ता बदलकर अमेरिका जा रहे हैं, टैंकरों में ऑयल भरने के लिए।
- ट्रंप का दावा शायद सही है, पर क्या अमेरिका की ऑयल सप्लाई विश्व की मांग पूरी करने के लिए पर्याप्त है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अप्रैल। 40 दिनों तक चले विनाशकारी युद्ध के बाद अमेरिका-इज़रायल और ईरान के बीच युद्धविराम को समाप्त करने और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समझौते तक पहुँचने के लिए शांति वार्ता आज इस्लामाबाद में औपचारिक रूप से शुरू हुई। इस संदर्भ में, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने दावा किया कि होर्मुज़ खुलेगा और जल्दी ही खुलेगा।

अपनी शेखी बघारने वाले कूटनीतिक रवैये के माध्यम से, ट्रंप ने ईरान को विफलता की ओर बढ़ता राष्ट्र कहा और यह स्पष्ट किया कि यदि वार्ता योजना के अनुसार नहीं हुई तो अमेरिका फिर से हमले करने के लिए तैयार है।

पश्चिम एशिया में नए संघर्ष को रोकने के प्रयास ने 11 अप्रैल को गति पकड़ी। जब अमेरिकी और ईरानी प्रतिनिधिमंडल दो सप्ताह के अस्थिर युद्धविराम के दौरान उच्च-स्तरीय वार्ता के लिए इस्लामाबाद में मिले।

लेकिन पहले औपचारिक सत्र से पहले ही वार्ता का माहौल तनावपूर्ण रहा, धमकियों, अविश्वास और सार्वजनिक वाद-विवाद जारी रहे, जिसमें ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर अपने पोस्ट के माध्यम से आक्रामक स्वर से काम लिया।

अब ध्यान होर्मुज़ स्ट्रेट पर केन्द्रित हो गया है, जो अब सैन्य और कूटनीतिक दबाव का केन्द्र बन गया है। जहाँ वॉशिंगटन कहता है कि जलमार्ग ''ईरान के सहयोग या इसके बिना'' खुल जाएगा, वहीं तेहरान ने अमेरिका पर गहरा अविश्वास जताया और किसी भी सार्थक प्रगति को शर्तों से जोड़ दिया, जिनमें लेबनान में युद्धविराम और फंसे हुए ईरानी संसाधनों की रिहाई शामिल है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने शुक्रवार को कहा कि आगामी पाकिस्तान के इस्लामाबाद में ईरान से होने वाली वार्ता में उनका फोकस यह सुनिश्चित करने पर होगा कि तेहरान कोई परमाणु हथियार नहीं रख सकता। उन्होंने यह भी कहा कि होर्मुज़ स्ट्रेट ''ईरान के समर्थन या उसके बिना'' खुला रहेगा।

वॉशिंगटन से दौरे के लिए रवाना होने के बाद, पत्रकारों से बातचीत में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान के साथ किसी भी स्वीकार्य समझौते से यह सुनिश्चित होना चाहिए कि उसके पास ''कोई परमाणु हथियार नहीं हैं।''

ट्रंप ने उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस को पाकिस्तान भेजा है, ताकि ईरानी अधिकारियों के साथ वार्ता कर दो सप्ताह के युद्धविराम के बाद पश्चिम एशिया संघर्ष में शांति समझौता सुनिश्चित किया जा सके।

उन्होंने कहा, ''कोई परमाणु हथियार नहीं, 99 प्रतिशत तो यही मामला है।''

अमेरिकी टीम का नेतृत्व वैंस कर रहे हैं, जिसमें ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकोफ और दामाद जेरेड कुश्नर शामिल हैं। इस्लामाबाद जा रही टीम ने रास्ते में पेरिस में ईंधन भरवाया।

ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आशा भोंसले को हार्ट अटैक

मुंबई, 11 अप्रैल। दिग्गज सिंगर आशा भोसले को शनिवार, 11 अप्रैल को दिल का दौरा पड़ा और उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इमरजेंसी में इलाज चल रहा है। सूत्रों के अनुसार, उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

आशा भोसले की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में फिलहाल कोई और जानकारी

- ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती, हालत अभी गंभीर

उपलब्ध नहीं है। उनके परिवार और अस्पताल अधिकारियों ने अभी तक कोई बयान जारी नहीं किया है।

आशा भोसले की पोती जनाई भोसले ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए हेल्थ अपडेट साझा किया है। उन्होंने बताया कि 'अत्यधिक थकावट और सीने में संक्रमण के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जनाई भोसले ने अपनी पोस्ट में आशा भोसले को दिल का दौरा पड़ने वालीबात नहीं बताई है।

अंता पालिका के सहायक अभियंता के पास 3.70 लाख की संदिग्ध नकदी जब्त

एसीबी की करौली इकाई द्वारा आकस्मिक चेकिंग के दौरान कार्रवाई की गई

जयपुर/अंता, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए बारां जिले की अंता नगर पालिका में पदस्थापित सहायक अभियंता महेन्द्र सिंह के कब्जे से 3 लाख 70 हजार रुपये की संदिग्ध नकदी जब्त की है। यह कार्रवाई एसीबी की करौली इकाई द्वारा हिण्डौन सिटी के बयाना रोड पर आकस्मिक चेकिंग के दौरान की गई।

एसीबी महानिदेशक गोविन्द्र गुप्ता ने बताया कि मुख्यालय को मिली गोपनीय सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। सूचना में बताया गया था कि सहायक अभियंता महेन्द्र सिंह बड़ी मात्रा में अवैध राशि लेकर हिण्डौन सिटी (जिला करौली) जाने वाले हैं। इस सूचना पर एसीबी के उप महानिरीक्षक डॉ. रामेश्वर सिंह के निर्देशन में करौली इकाई के पुलिस निरीक्षक जगदीश भारद्वाज ने बयाना रोड, हिण्डौन सिटी पर आकस्मिक चेकिंग की। इस दौरान महेन्द्र सिंह के पास से 3.70 लाख रुपये की नकदी बरामद की गई। पूछताछ के दौरान अधिकारी उक्त राशि के संबंध में कोई ठोस सबूत या संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद एसीबी ने राशि को जब्त कर लिया और मामले में विस्तृत जांच शुरू कर दी है। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव एवं एस. परिमला के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ जारी है। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

अंता नगर पालिका में पदस्थापित सहायक अभियंता महेन्द्र सिंह से एसीबी ने नगदी जब्त की।

- पूछताछ में अधिकारी राशि के संबंध में कोई ठोस सबूत, संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं कर सके

बीकानेर में साले ने बहनोई की तलवार से गर्दन काटकर हत्या की

बीकानेर, (निसं)। साले ने अपने साथी के साथ मिलकर जीजा की तलवार से गर्दन पर वार कर हत्या कर दी। बहू ने हत्या से पहले ससुर को कॉल कर धमकी दी थी और कहा था कि बेटे को समझा लो नहीं तो उसे छोड़ेंगे नहीं। मामला मुक्ताप्रसाद थाना क्षेत्र में रामपुरा बस्ती की गली नंबर सात का शुक्रवार देर रात का है।

एसएचओ विजेंद्र शीला ने बताया कि जय सिंह (28) पुत्र राजेंद्र सिंह की हत्या हुई है। युवक के पिता ने बेटे के साले कपिल सिंह और एक अन्य पर आरोप लगाए हैं। दोनों को डिटेन कर पूछताछ की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में पुलिस बल तैनात किया गया है। डीएसपी अनुज डाल ने बताया कि जयसिंह और उसकी पत्नी के बीच दो साल से विवाद चल रहा था। इसके चलते हत्या हुई है। जय सिंह के पिता राजेंद्र सिंह ने एफआईआर में बताया कि बेटे और उसकी पत्नी कुंजिका के बीच विवाद चल रहा था। 10 अप्रैल की रात 10:44 बजे कुंजिका ने कॉल कर कहा था कि अपने बेटे जय सिंह को समझा लो नहीं तो हम उसे छोड़ेंगे नहीं।

एफआईआर में बताया कि इसके बाद उन्होंने बेटे को ढूंढा तो वह घर पर नहीं मिला। जब वे बेटे की तलाश में रामपुरा बस्ती स्थित शनि मंदिर के पास पहुंचे। वहां बेटे जय सिंह से उसका साला कपिल सिंह और अन्य मारपीट कर रहे थे। कपिल सिंह के हाथ में तलवार थी। एफआईआर में बताया कि जैसे ही शोर मचाया तो दोनों वहां से बाइक लेकर भाग निकले। इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से पीबीएम अस्पताल पहुंचाया, यहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

- मृतक के पिता ने बेटे के साले व एक अन्य पर आरोप लगाए, पुलिस ने दोनों को डिटेन किया
- पति-पत्नी के बीच विवाद दो साल से चल रहा था, बहू ने हत्या से पहले ससुर को कॉल कर धमकी दी थी

नोखा में बैंक मैनेजर पर 1.57 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप

नोखा, (निसं)। पुलिस थाने में कैनरा बैंक के मैनेजर और अन्य कर्मचारियों के खिलाफ धोखाधड़ी और गबन का एक मामला दर्ज किया गया है। काकड़ा निवासी पूजा बिश्नोई ने आरोप लगाया है कि बैंक कर्मचारियों ने उनकी फर्म के खाते से फर्जी तरीके से लगभग 1.57 करोड़ रुपए का गबन किया है।

पूजा बिश्नोई ने अपनी शिकायत में बताया कि वो डेलू ब्रदर्स नामक फर्म की प्रोपराइटर हैं। उन्होंने नवंबर 2025 में बीकानेर रोड, नोखा स्थित कैनरा बैंक की पीपली चौक शाखा में अपनी फर्म का खाता खुलवाया था। 7 जनवरी 2026 को उन्होंने व्यापार के लिए 1.60 करोड़ रुपए का टर्म लोन और 25 लाख रुपए की सीसी लिमिट स्वीकृत करवाई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने उक्त लोन राशि में से लगभग 95 लाख रुपए का उपयोग किया था, जबकि शेष राशि उनके फर्म के खाते में थी। 7 अप्रैल 2026 को जब उनके पति खाते की जानकारी लेने बैंक गए, तो शाखा प्रबंधक और बैंक स्टाफ ने टालमटोल की। इसके बाद पूजा बिश्नोई ने उच्च अधिकारियों से शिकायत की, जिससे उन्हें धोखाधड़ी का पता चला। पूजा बिश्नोई का आरोप है कि बैंक मैनेजर और अन्य स्टाफ ने उनके फर्जी हस्ताक्षर कर ऑनलाइन तरीके से उनकी फर्म के खाते की सीसी लिमिट बढ़ा दी। इसके बाद, उनकी अनुमति के बिना लगभग 1.57 करोड़ रुपए अपने निजी, रिश्तेदारों के और अन्य खातों में स्थानांतरित कर दिए। उन्होंने बताया कि उनकी सीसी लिमिट को ओडी में बदलकर 1.27 करोड़ रुपए किया गया और इस राशि का उपयोग भी बैंक कर्मचारियों ने ही किया।

खाते के विवरण से पता चला कि बैंक कर्मचारियों ने एचडीएफसी बैंक (अमन सिंह परिहार) के खाते में, मां-माजीसा टेलीकॉम, भावना जनरल स्टोर और भुरसिंह/पन्नेसिंह नामक फर्मों में गलत तरीके से राशि ट्रांसफर की थी। इस धोखाधड़ी के कारण पूजा बिश्नोई को उनके लोन की पूरी राशि नहीं मिल पाई, जिससे उन्हें व्यापार में भारी नुकसान हुआ। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि कैनरा बैंक के मैनेजर और अन्य कर्मचारियों ने इसी प्रकार अन्य खाताधारकों की सहमति के बिना भी उनके खातों से लेनदेन कर धोखाधड़ी और गबन किया है। नोखा पुलिस ने पूजा बिश्नोई की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

बालोतरा में क्रिकेट सट्टा पकड़ा, चार जने गिरफ्तार

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा पुलिस ने शनिवार को क्रिकेट सट्टा लगाने के मामले में चार जनों को गिरफ्तार कर तीन लेपटाप, तैतीस मोबाइल सहित करोड़ों का हिसाब-किताब जब्त किया है।

पुलिस अधीक्षक जिला बालोतरा रमेश आईपीएस ने बताया कि आईपीएल 2026 के दौरान जिले में अवैध क्रिकेट सट्टे पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं जुआरियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए जारी दिशा-निर्देशों के क्रम में डीएसटी बालोतरा व पुलिस टीम ने रात्रि में सिटी पार्क, बालोतरा के पास स्थित एक मकान पर दबिश देकर क्रिकेट सट्टा संचालन में प्रयुक्त लैपटॉप, मोबाइल, पियानो अटैची (मोबाईल सेटअप) सहित अन्य सहायक सामग्री एवं करोड़ों रुपये का हिसाब-किताब बरामद कर आरोपी क्रिकेट बुकी जावेद, मनीष, असरफ व महेन्द्र को गिरफ्तार कर संगठित सट्टा गतिविधि का पर्दाफाश किया है।

जानकारी के अनुसार डीएसटी, बालोतरा से सूचना प्राप्त हुई कि सिटी पार्क, बालोतरा के पास जावेद वगैरा द्वारा आईपीएल 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स एवं लखनऊ सुपर जायंट्स के मध्य चल रहे क्रिकेट मैच परसट्टा संचालित किया जा रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम ने जावेद के किराये के मकान पर योजनाबद्ध तरीके से दबिश दी और जावेद, मनीष, महेन्द्र एवं असरफ को मौके से दस्तयाब किया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी जावेद आदि अपने सहयोगियों के साथ मिलकर अत्यंत संगठित एवं तकनीकी तरीके से क्रिकेट मैचों पर जुआ-सट्टा संचालित कर रहे थे।

अगले सप्ताह 40 डिग्री पहुंच सकता है पारा

बीकानेर, (निसं)। अप्रैल के पहले सप्ताह में सुहाना मौसम और किसानों की भारी बर्बादी के बाद अब मौसम ने तेवर बदलने शुरू कर दिए हैं। पिछले कुछ दिनों से सुबह और शाम के समय जो हल्की ठंडक सुकून दे रही थी, अब उसकी भी विदाई है। आसमान पूरी तरह साफ होने के कारण सूरज की किरणें अब सीधे धरातल पर तीखा प्रहार कर रही हैं। अभी तापमान स्थिर है, लेकिन मौसम वैज्ञानिकों अनुमान है कि अगले हफ्ते पारे में जबरदस्त उछाल देखने को मिलेगा। संभावना है कि पारा 40 डिग्री सेल्सियस के आंकड़े को छू सकता है। हवा की गति धीमी रहने के कारण सतह पर उमस और गर्मी का प्रभाव अधिक होगा। यह स्थिति एक प्रकार की 'प्री-हीट' लहर की तरह है, जो स्पष्ट संकेत दे रही है कि इस बार नौतपा शुरू होने से पहले ही भीषण गर्मी अपना असली रंग दिखाएगी। फिलहाल रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने से लोगों को थोड़ी राहत है। अगले कुछ दिनों में न्यूनतम तापमान भी 23 डिग्री सेल्सियस के पार निकल जाएगा। आमतौर पर इस मौसम में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से बादल छाने या बूंदाबांदी होने पर तापमान में गिरावट आती थी, लेकिन फिलहाल ऐसी कोई संभावना नजर नहीं आ रही है।

उदयपुर : बाईस साल से फरार डकैत गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। 22 साल पहले उदयपुर में टेक्सटाइल के माल से लदे ट्रक की हुई डकैती मामले में गोवर्धन विलास पुलिस ने फरार चल रहे बदमाश मध्यप्रदेश के देवास निवासी देवी सिंह झाला (57) पुत्र शेर सिंह को गिरफ्तार किया है।

एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि डकैती के मामले में देवी सिंह झाला 22 साल से उदयपुर पुलिस का वांछित अपराधी था। डकैती करने के इस प्रकरण में गिरफ्तार हो चुके अन्य आरोपियों को तो कोर्ट से सजा भी हो चुकी है जबकि एक आरोपी की मौत हो चुकी है। वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत गोवर्धन विलास पुलिस टीम ने 29 जुलाई 2004 को हुई डकैती प्रकरण में फरार चल रहे इनामी बदमाश मध्यप्रदेश के देवास निवासी देवी सिंह झाला पुत्र शेर सिंह को गिरफ्तार किया है। देवी सिंह झाला इस प्रकरण में नामजद हो 22 वर्षों से वांटेड था। इस प्रकरण में देवी सिंह झाला की गिरफ्तारी शेष थी। गत वर्षों में पुलिस ने कई बार इसके गांव में रेड कर इसे पकड़ने का प्रयास किया लेकिन हर बार यह ग्रामीणों की मदद से वहां से भाग जाता था। इस बार गोवर्धन विलास पुलिस टीम ने बदमाश देवी सिंह को पकड़ने के प्रयास तेज किए और साधु बनकर इसके घर व गांव के आस-पास रैकी की। गांव के मुख्य बाजार और मंदिरों के पुजारी से बातचीत कर बदमाश की जानकारी जुटाई। दो दिन पहले पुलिस को मुखबीर से इसके घर आने की सूचना मिली। इस पर गोवर्धन विलास थाने के सउनि मनोहर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम इसके गांव पहुंची, साधु के वेश में ही रैकी की और पुलिस टीम ने घर पर दबिश देकर उसे धरदबोचा।

एएसआई मनोहर सिंह ने बताया कि 1 अगस्त 2004 को रविन्द्र कुमार यादव ने गोवर्धन विलास थाने में रिपोर्ट दर्ज करवायी थी जिसमें उसने बताया था कि सुरत से एक कंटेनर ट्रक लेकर जयपुर जा रहा था। कंटेनर में कपड़ों की गांठें भरी हुई थी। रविन्द्र के साथ कंटेनर में अन्य चालक रामकिशन और खलासी रामजीत थे। ये तीनों कंटेनर लेकर पडुणा उदयपुर पहुंचे थे कि रात को कुछ बदमाशों ने इनके कंटेनर के आगे अपनी गाड़ी लगाकर जबरन रोका।

- पुलिस ने साधु बनकर आरोपी के घर व गांव के आस-पास रैकी की

सांगरिया रिको एरिया में दो फैक्ट्रियों में चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकट सांगरिया रिको एरिया में आई दो फैक्ट्रियों में नकबजनों ने 8-9 अप्रेल की रात में सैंधमारी कर वहां से मशीनरी पार्ट्स के साथ नगदी चोरी कर लिए। पीड़ित ने विवेक विहार थाने में रिपोर्ट दी है। पुलिस ने मौका मुआयना किए जाने के साथ अब सीसीटीवी फुटेज देखे है। चोरों की पहचान के साथ तलाश की जा रही है।

विवेक विहार थाना पुलिस ने बताया कि रामनगर सांगरिया बासनी निवासी अनिल जांगिड़ पुत्र हनुमान प्रसाद जांगिड़ ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसकी एक फैक्टरी श्री राधे इंजीनियरिंग वर्क्स सांगरिया रिको एरिया में आई हुई है। फैक्टरी में आठ अप्रैल को सुबह करीब पांच बजे चोरों ने यहां से पम्प सहित मोटर, मशीन का एल्यूमिनियम ब्लॉक एवं अन्य सामान चोरी कर लिया। इसके बाद नौ अप्रैल को सुबह 4.10 बजे पुन: फैक्टरी में चोरी का प्रयास किया गया। क्षेत्र में स्थित एक अन्य हैंडीक्राफ्ट फैक्टरी के मालिक छगनलाल के यहां से भी चोर गैस सिलेंडर, चूल्हा तथा करीब 18 हजार रुपये चोरी कर ले गए।

झुंझुनूं में संविदा शिक्षिका पर धर्म परिवर्तन के प्रयास का आरोप

झुंझुनूं/सूरजगढ़, (निसं)। झुंझुनूं जिले के सूरजगढ़ पंचायत समिति क्षेत्र के काजड़ा गांव में एक संविदा शिक्षिका पर धर्म परिवर्तन के प्रयास का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने जवाहर नवोदय विद्यालय के मुख्य द्वार के बाहर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। बाद में पुलिस की समझाइश के बाद ग्रामीण शांत हुए और प्रतिनिधिमंडल ने पिलानी थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई।

ग्रामीणों का आरोप है कि जवाहर नवोदय विद्यालय में संविदा पर कार्यरत एक शिक्षिका पिछले कुछ समय से गांव में सक्रिय है और घर-घर जाकर महिलाओं व अन्य ग्रामीणों से संपर्क कर रही है। ग्रामीणों के अनुसार, इस दौरान कथित रूप से धार्मिक चर्चाओं के जरिए एक विशेष धर्म के प्रति प्रेरित करने तथा दूसरे धर्म के प्रति नकारात्मक बातें कहने का प्रयास किया गया। कुछ ग्रामीणों ने धार्मिक साहित्य और पुस्तकें बांटने की बात भी कही है। सूचना मिलते ही पिलानी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों से बातचीत कर स्थिति को शांत कराया। पिलानी थानाधिकारी चंद्रभान चौधरी ने बताया कि काजड़ा गांव में नवोदय विद्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। ग्रामीणों ने एक शिकायत पत्र सौंपते हुए आरोप लगाया है कि विद्यालय की एक शिक्षिका गांव की महिलाओं और स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को धर्म विशेष के बारे में गुमराह कर रही है। थानाधिकारी ने बताया कि ग्रामीणों को आश्वस्त किया गया है कि उनकी शिकायत की गंभीरता से जांच की जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे लोगों से कानून हाथ में नहीं लेने और विधिसम्मत प्रक्रिया अपनाने की अपील की। इसके बाद शुक्रवार रात करीब ग्रामीणों के एक प्रतिनिधिमंडल ने पिलानी थाने पहुंचकर शिक्षिका के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

गांव के पूर्व उप सरपंच मदन चनेजा और पंच प्रतिनिधि पवन गुर्जर ने कहा कि गांव में लंबे समय से भाईचारा और सामाजिक सौहार्द बना हुआ है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से ग्रामीण इन गतिविधियों को लेकर चिंतित थे, जिसके चलते सामूहिक रूप से अपनी बात प्रशासन तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया। ग्रामीण विक्रम शर्मा ने कहा कि प्रशासन को मामले की तह तक जाकर निष्पक्ष जांच करनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी स्थितियों से बचा जा सके और सामाजिक सद्भाव बना रहे। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

- ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया
- ग्रामीणों का आरोप है कि शिक्षिका पिछले कुछ समय से गांव में घर-घर जाकर महिलाओं व अन्य ग्रामीणों से संपर्क कर रही है

फायरिंग मामले प्रकरण दर्ज

लालसोट, (निसं)। शहर में शुक्रवार दोपहर हुए सनसनीखेज गोलीकांड के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है। मृतक धर्मेंद्र उर्फ योगेंद्र मीणा के भाई लेखराज मीणा की रिपोर्ट पर लालसोट थाने में चेतराम गुर्जर उर्फ राहुल खटाना, जसराम गुर्जर और देशराज गुर्जर सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार घटना तालोड़ा जमात स्थित एक ढाबे के बाहर हुई, जहां धर्मेंद्र अपने साथियों के साथ खाना खा रहा था। इसी दौरान आरोपी वहां पहुंचे और पहले विवाद करते हुए गाली-गलौज की। बाद में जैसे ही धर्मेंद्र बाहर निकला, आरोपियों ने उस पर गोली चला दी। गोली उसके सीने में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे तत्काल लालसोट अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और मुख्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा और मामले का खुलासा किया जाएगा।

हनुमानगढ़ में युवक का अपहरण कर हत्या की साजिश नाकाम

हनुमानगढ़, (निसं)। पल्लू थाना क्षेत्र में एक युवक के अपहरण और हत्या की साजिश को पुलिस ने नाकाम कर दिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहृत युवक को सकुशल बरामद कर लिया और इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीना ने बताया कि नौ अप्रैल की रात पल्लू निवासी कानाराम के पुत्र अनिल कुमार के अपहरण की सूचना मिली थी। अज्ञात व्यक्तियों ने अनिल का उसकी वर्कशॉप से जबरन अपहरण कर लिया था। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुरेश मील के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया और पूरे क्षेत्र में नाकाबंदी की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी और मानवीय सूचनाओं का उपयोग करते हुए तेजी से कार्रवाई की। इस दौरान आरोपी अमित कुमार (24) निवासी रोही रणजीतपुरा, हनुमानगढ़ टाउन और रमेश उर्फ रामा (29) निवासी पूरबसर, पल्लू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से अपहृत अनिल कुमार को सकुशल छुड़ाकर उसके परिजनों को सौंप दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी युवक को एक वाहन में डालकर रोही ढाणी माहेला और ढाणी लेघान ले गए थे। वहां अपहृत युवक के साथ मारपीट की गई और उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने किसी पुराने विवाद के चलते इस वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने इस मामले में विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना में शामिल अन्य आरोपी राकेश, प्रदीप और रविंद्र सहित अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है। पुलिस अब फरार अन्य आरोपियों को पकड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसके साथ ही, मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

- पल्लू पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, अपहृत युवक सकुशल बरामद
- बताया जा रहा है कि आरोपियों ने किसी पुराने विवाद के चलते वारदात को अंजाम दिया था

अजमेर में यूनानी थेरेपी के नाम पर ठगी करने वाला गिरोह पकड़ा

अजमेर, (निसं)। अजमेर पुलिस ने यूनानी थेरेपी के नाम पर ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए फर्जी डॉक्टर सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने एक 62 वर्षीय वृद्ध को बीमारी के बहाने झांसे में लेकर लाखों रुपये की ठगी की थी।

जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि कोतवाली थाना क्षेत्र निवासी हरिराम किशनचंद मूलचंदानी ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि 26 मार्च को एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें रोककर बीमारी का झांसा दिया। इसके बाद उसे एक कथित डॉक्टर से संपर्क करवाया गया, जिसने इलाज के नाम पर पैसे ऐंठने शुरू कर दिए। अगले दिन आरोपी उनके घर पहुंचे और कई बार नकली उपचार करते हुए कुल 4.39 लाख रुपये ठग लिए। एसपी अग्रवाला ने बताया कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम गठित की। जहां पुलिस टीम ने अजमेर शहर और निजी भवनों में लगे 250 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसके आधार पर आरोपितों की पहचान की गई। जांच के दौरान पुलिस ने लोकेशन ट्रेस कर आरोपितों को भोपाल (मध्य प्रदेश) से गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपितों में फर्जी डॉक्टर समीर जरीवाला, मोहम्मद कादिर और उसके साथी शामिल हैं। पुलिस टीम ने इन आरोपितों के कब्जे से ठगी की रकम में से 33,800 रुपये और इलाज में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण व दवाइयां सहित 12 मोबाइल फोन और 9 सिम कार्ड और वारदात के दौरान काम में ली गई एक स्विफ्ट कार भी बरामद की है। आरोपी भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में वाहनों पर रेडियम टेप लगाकर घूमते थे और वहां अकेले या बीमार दिखने वाले लोगों को निशाना बनाते थे। इसके बाद उन्हें इलाज का झांसा देकर ठगी को अंजाम देते थे।

- अजमेर पुलिस ने फर्जी डॉक्टर सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया
- आरोपियों ने वृद्ध को बीमारी के बहाने झांसे में लेकर लाखों की ठगी की थी

झुंझुनूं : अवैध खनन, अतिक्रमण और सहायक नालों पर कब्जे की भेंट चढ़ी 'काटली नदी'

''काटली नदी बचाओ'' जन अभियान शुरू, 80 लाख आबादी को मिल सकता है लाभ

झुंझुनूं/सीकर/चूरू, (निसं)। कभी शेखावाटी अंचल की जीवन रेखा कही जाने वाली काटली नदी आज अस्तित्व के संकट से जूझ रही है। हालात इतने गंभीर हैं कि नई पीढ़ी इस नदी को केवल बुजुर्गों की कहानियों में ही सुन पा रही है। अवैध खनन, अतिक्रमण, जल स्त्रोतों के मार्ग में बदलाव, सहायक नालों पर कब्जे, एनीकट व बांध निर्माण, अत्यधिक जल दोहन और घटती हरियाली ने मिलकर इस नदी को लुप्तप्राय: बना दिया है।

झुंझुनूं की सरस्वती रूरल एंड अर्बन डेवलपमेंट सोसायटी ने इस संकट को लेकर काटली नदी बचाओ जन अभियान शुरू किया है। अभियान संयोजक सुभाष कश्यप के नेतृत्व में जनजागृति के साथ-साथ विस्तृत पुनर्जीवन योजना तैयार कर मुख्यमंत्री सहित विभिन्न विभागों को ज्ञापन सौंपे गए हैं। वहीं, अमित कुमार और कैलाश मीणा द्वारा दायर याचिका पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेश के बाद नदी संरक्षण की दिशा में कानूनी रास्ता भी साफ हुआ है। राजस्थान सरकार ने काटली नदी की वास्तविक स्थिति जानने के लिए ड्रोन सर्वे कराया है और पुनर्जीवन योजना पर काम शुरू कर दिया है।

काटली नदी की वास्तविक स्थिति जानने के लिए ड्रोन सर्वे कराया है।

- अभियान संयोजक सुभाष कश्यप के नेतृत्व में जनजागृति के साथ-साथ विस्तृत पुनर्जीवन योजना तैयार कर मुख्यमंत्री सहित विभिन्न विभागों को ज्ञापन सौंपे गए

नदी क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी जारी है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि केवल यह प्रयास पर्याप्त नहीं होंगे, क्योंकि नदी के पारंपरिक जल स्त्रोत लगभग समाप्त हो चुके हैं। अभियान से जुड़े लोगों ने अब बड़ा प्रस्ताव रखा है। काटली नदी में बने एनीकट व बांध हटाए जाएं या फिर उनमें सिंधु जल लाकर प्रवाहित किया जाए जोधपुरा सुनारी, हीरवाना, मैनपूरा और बगड़ क्षेत्र में कच्चे बांध बनाकर सिंधु जल लाने की योजना भी सुझाई गई है। यदि यह योजना साकार होती है, तो अनुमानित 80 लाख से अधिक आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। इससे जैव विविधता लौटेगी, जलवायु संतुलन सुधरेगा, पर्यावरण संरक्षण को बल मिलेगा, स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

अभियान संयोजक सुभाष कश्यप और उनकी टीम जल्द ही प्रधानमंत्री से मिलकर सिंधु जल को काटली नदी में लाने की मांग उठाएंगे और विस्तृत योजना प्रस्तुत करेंगे। अभियान को जन-जन से जोड़ने की अपील करते हुए कश्यप ने कहा कि यह केवल नदी नहीं, बल्कि पूरे शेखावाटी के भविष्य की लड़ाई है। नदी का मुद्दा केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और अस्तित्व का प्रश्न बन चुका है। सरकारी प्रयास, जन आंदोलन और न्यायिक हस्तक्षेप के बावजूद यदि ठोस और दीर्घकालिक समाधान नहीं निकला, तो आने वाली पीढ़ियां काटली का नाम ही सुनेंगी।

झुंझुनूं में अवैध हथियार सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया

बुहाना/झुंझुनूं (निसं)। जिले में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस थाना बुहाना ने एक आरोपी को अवैध 12 बोर सिंगल बैरल बंदूक और कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 6 जिंदा और 7 खाली कारतूस बरामद किए गए हैं।

थाना अधिकारी बिमला बुडानिया के नेतृत्व में गठित टीम ने गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर यह कार्रवाई की गई। शनिवार को गश्त के दौरान पुलिस टीम को सूचना मिली कि एक व्यक्ति कुहाड़वास की पहाड़ियों की ओर बंदूक लेकर जा रहा है। सूचना पर टीम तुरंत मौके पर पहुंची। वहां एक व्यक्ति कंधे पर हथियार लटकाए दिखाई दिया, जो पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम करण सिंह पुत्र बनवारी लाल, निवासी कुहाड़वास बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से 12 बोर की सिंगल बैरल बंदूक, 6 जिंदा कारतूस और 7 खाली कारतूस बरामद हुए। लाइसेंस पूछने पर वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर हथियार व कारतूस जब्त कर लिए हैं। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा मामले में आगे की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी थाना बुहाना में मामला दर्ज है।

रामसागर झील को बनाएंगे पर्यटन का केन्द्र, 21 फीट ऊंची भगवान श्रीराम की प्रतिमा भी लगेगी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हिण्डोली में 70 करोड़ रुपए के 24 विकास कार्यों का शिलान्यास-लोकार्पण किया

-कार्यालय संवाददाता-

बूंदी/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रामसागर झील के द्वितीय चरण के पर्यटन एवं विकास कार्य तथा महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्री बाई फुले की जीवनी पर आधारित पेनोरमा और पुस्तकालय बनाने की घोषणा की। उन्होंने रामसागर झील पर सीपेज की समस्या के समाधान के लिए भी आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि रामसागर झील के किनारे भगवान श्रीराम की 21 फीट ऊंची प्रतिमा बनने पर यह आस्था का भी केन्द्र बनेगा। शर्मा शनिवार को महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती के अवसर पर बूंदी के हिण्डोली में विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हिण्डोली में 70 करोड़ रुपये की लागत के24 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इस दौरान जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, सांसद दामोदर अग्रवाल, विधायक गोपीचंद मीना मौजूद थे।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने हिण्डोली में रामसागर झील के सौन्दर्यीकरण कार्यों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने घाट पूजन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की तथा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। साथ ही, उन्होंने वीर तेजाजी मंदिर में दर्शन भी किए। इसके पश्चात अमरत्या चौराहे स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर जनप्रतिनिधिगण एवं आमजन ने मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया तथा बजट घोषणाओं में दुगारी बांध के जीर्णोद्धार सहित अन्य सौगातों के लिए आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि हर गांव और घर तक विकास पहुंचे। सरकार ने बूंदी जिले के विकास के लिए पिछले तीन बजट में महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। चम्बल कमांड क्षेत्र की दक्षता सुधार के लिए 353 करोड़ रुपये की लागत से 167 किलोमीटर में पक्की लाइनिंग एवं 11 हजार 746 हैक्टेयर कमांड क्षेत्र में खेत सुधार कार्य किया जा रहा है। इसी प्रकार 184 करोड़ रुपये की लागत से बूंदी-सीलोर-नमाना-गरडा-भोपटपुरा (एसएच-29बी) 44 किमी सड़क का कार्य प्रगति पर है। वहीं, एनएच-148डी से एसएच-34 तक 80 करोड़ रुपये की लागत से 33 किमी सड़क निर्माण कार्य हेतु निविदा खोली गई है। लाखेरी योजना में 35 करोड़ रुपये की लागत से 195 आवासों का निर्माण कार्य चल रहा है।

राम जल सेतु लिंक परियोजना के प्रथम चरण में लगभग 9500 करोड़ रुपये के कार्य प्रगतिरत हैं। इस परियोजना के अंतर्गत लगभग 13000 करोड़ रुपये के कार्यों की डीपीआर तैयार की जा चुकी है। इंद्रगढ़ के मुख्य नहर से सम्बंधित कार्य 75 करोड़ रुपये की लागत से करवाए जाने के कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं।साथ ही, रामसागर झील का पर्यटन एवं विकास कार्य प्रगति पर है।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में भी बूंदी के लिए कई घोषणाएं की हैं। बूंदी जिले में 70 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न मिसिंग लिंक सड़कों के कार्य एवं 23 करोड़ रुपये की लागत से बूंदी शहर की आवासीय कॉलोनियों में मूलभूत सुविधाओं के कार्य करवाए जाएंगे। बूंदी के नवीन व्यावसायिक एवं आवासीय कॉलोनियों में 30 करोड़ रुपये की लागत से आंतरिक कार्य तथा 60 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न स्थानों पर एनीकट निर्माण, जीर्णोद्धार, मरम्मत व क्षमता वृद्धि के कार्य भी होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अगले एक वर्ष तक महात्मा ज्योतिबा फुले की द्विशताब्दी जयंती मनाने की पहल की है। उन्होंने कहा कि बांदीकुई की धरती से प्रदेश के प्रत्येक ब्लॉक में एक उच्च माध्यमिक विद्यालय में 'सावित्री बाई फुले ई-लाइब्रेरी' की स्थापना एवं समस्त जिलों में 'महात्मा ज्योतिबा फुले आदर्श विद्यालय' स्थापित करने की घोषणा की गई है। साथ ही, उन्होंने प्रदेशवासियों से महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्री बाई फुले के सामाजिक सुधार के कार्यों से प्रेरणा लेकर देश-प्रदेश के उत्थान में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की है।

- महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्री बाई फुले का पेनोरमा और पुस्तकालय बनाने की घोषणा
- राज्य सरकार का संकल्प है कि हर गांव और घर तक पहुंचे विकास : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को कोटा के हिण्डोली में 70 करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यास-लोकार्पण किया। इस मौके पर स्थानीय पदाधिकारियों और आम जनता ने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया।

सुबोध अग्रवाल को सास के अंतिम संस्कार में शामिल होने की अनुमति नहीं मिली

अदालत ने कहा कि जल जीवन मिशन में हुए करीब 960 करोड रुपए के घोटाले से जुडे मामले में आरोपी 13 अप्रैल तक पुलिस अभिरक्षा में है।

जयपुर (कासं)। शहर की निचली अदालत ने जल जीवन मिशन में हुए करीब 960 करोड रुपए के घोटाले से जुडे मामले में आरोपी पूर्व आईएएस और तत्कालीन जलदाय सचिव सुबोध अग्रवाल को सास के अंतिम संस्कार में शामिल की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि आरोपी 13 अप्रैल तक पुलिस अभिरक्षा में है।

शनिवार को अदालतों में अवकाश होने के चलते सुबोध अग्रवाल की ओर से ड्यूटी मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रार्थना पत्र पेश किया गया। प्रार्थना पत्र में अधिवक्ता एसएस होरा ने कहा कि उसकी सास का बीती रात शिमला में निधन हो गया है।

जिसके 13 दिन तक संस्कार होने हैं। वह सास के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए जाना चाहता है। ऐसे में उसे अंतिम संस्कार में शामिल होने की अनुमति दी जाए। जिसे अदालत ने खारिज कर दिया। गौरतलब है कि जल जीवन मिशन घोटाले से जुडे मामले में एसीबी कोर्ट की ओर से गत दिनों सुबोध अग्रवाल को भगौडा घोषित किया था।

इसके बाद वह दिल्ली में एसीबी की गिरफ्त में आया। बीते शुक्रवार को एसीबी ने आरोपी को विशेष अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड मांगा था। इस पर अदालत ने उसे 13 अप्रैल तक पुलिस रिमांड पर एसीबी को सौंप दिया था।

महात्मा ज्योतिबा फुले का संपूर्ण जीवन प्रेरणादायक : बागड़े

महात्मा फुले के जयंती समारोह में राज्यपाल का संबोधन

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती समारोह में युवाओं को उनके आदर्शों को अपनाने का आव्हान किया। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत और निवर्तमान जयपुर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर भी मौजूद थे।

जयपुर (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती समारोह में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। महात्मा ज्योतिबा फुले सर्किल पर उनकी प्रतिमा को नमन करते उन्होंने कहा कि वंचितों के कल्याण के लिए समर्पित उनका संपूर्ण जीवन प्रेरणा देने वाला है। बागडे ने कहा कि महान समाज सुधारक, महिला शिक्षा के अग्रदूत और सत्यशोधक समाज के संस्थापक ज्योतिबा फुले व्यक्ति नहीं महामानव थे। उनका जीवन हमें सामाजिक समरसता और ज्ञान के लिए समर्पित रहकर दूसरों के कल्याण के लिए कार्य करने के आदर्श से जोडने वाला है।

राज्यपाल ने ज्योतिबा फुले के जीवन प्रसंगों को साझा करते हुए कहा कि उन्होंने रूढ़िवादी परंपराओं का विरोध किया और शिक्षा के माध्यम से समाज में जागृति लाने का कार्य किया। ज्योतिबा फुले ने अपना पूरा जीवन वंचित, शोषित, पीड़ित पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित किया। उन्होंने महाराष्ट्र में महात्मा ज्योतिबा फुले स्मारक की चर्चा करते हुए कहा कि वह युग प्रवर्तक थे। उन्हें हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही है कि उनके बताए आदर्श मार्ग पर चलते हुए हम जीवन की उज्ज्वल राहों की ओर अग्रसर हों।

कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत और निवर्तमान जयपुर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर भी मौजूद थे।

राजस्थान वित्त निगम को संपत्ति विक्रय के लिये सशर्त एन.ओ.सी. की मंजूरी

रीको प्रशासन ने प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए लिया महत्वपूर्ण निर्णय लिया

जयपुर। प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को मजबूत बनाने के लिए रीको प्रशासन महत्वपूर्ण निर्णय ले रहा है। इसी क्रम में, राजस्थान वित्त निगम को रीको द्वारा आवंटित संपत्तियों के विक्रय के लिए अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) जारी करने के संबंध में सशर्त मंजूरी प्रदान की है।

उल्लेखनीय है कि रीको द्वारा राजस्थान वित्त निगम को समय-समय पर बांसवाडा, कोटा, अलवर, झुंझुनूं, आबूरोड, बालोतरा, जालौर एवं भिवाड़ी के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में रियायती अथवा प्रचलित दरों पर कार्यालय भवन अथवा आवासीय क्वार्टर के लिए भूखंड आवंटित किए गए थे। इन भूखंडों के विक्रय हेतु राजस्थान वित्त निगम द्वारा एनओसी की मांग की गई थी, जिसे रीको ने नियमानुसार स्वीकृति प्रदान की है। तत्कालीन प्रचलित दरों पर आवंटित भूखंडों के लिए रीको द्वारा एनओसी जारी कर दी गई है। वहीं, रियायती दरों पर आवंटित भूखंडों के मामलों में एनओसी इस शर्त पर जारी की गयी है कि राजस्थान वित्त निगम आवंटन के समय दी गई रियायत की राशि ब्याज सहित जमा कराएगा। इसके अतिरिक्त, रीको ने यह भी स्पष्ट किया है कि संबंधित भूमि अथवा संपत्ति का उपयोग उसी उद्देश्य के लिए किया जाएगा, जिसके लिए उसका मूल रूप से आवंटन किया गया था। रीको के इस कदम से लंबे समय से अनुपयोगी प्रीमियम भूखण्डों का उपयोग राज्य में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ाने हेतु किया जा सकेगा। इन संपत्तियों के विक्रय पश्चात् इनमें कमर्शियल ऑफिस व रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स का निर्माण हो सकेगा।

मुख्यमंत्री ने फुले को श्रद्धांजलि अर्पित की

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। शर्मा ने बाईस गोदाम स्थित महात्मा ज्योतिबा फूले की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर शर्मा ने प्रदेशवासियों से महात्मा ज्योतिबा फूले के समाज सुधारक कार्यों एवं उनके आदर्शों को अपनाकर शिक्षा और समानता के क्षेत्र में सहभागिता निभाने का आव्हान किया। इस दौरान विधायक जसवंत यादव, गोपाल शर्मा, देवेन्द्र जोशी सहित बडी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

भाजपा ने नीतिश कुमार को सांसद बनाकर धोखा किया : अखिलेश

जयपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को जयपुर दौरे के दौरान भाजपा और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तीखा हमला बोला। वे जयपुर स्थित रामबाग पैलेस में आयोजित विजन इंडिया: हॉर्मोनियस हेरिटेज समिट में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने आए थे।

- जयपुर दौरे पर आए यादव ने भाजपा और यूपी के मुख्यमंत्री पर तंज कसे

मीडिया से बातचीत में अखिलेश यादव ने नीतीश कुमार को लेकर कहा कि वे उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते थे लेकिन भाजपा ने उन्हें राज्यसभा सदस्य बनाकर उनके साथ 'धोखा' किया है। यह एक राजनीतिक षड्यंत्र है। उन्होंने कहा कि आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) भाजपा का शुद्धिकरण करेगा।

अखिलेश यादव ने व्यंग्यात्मक अंदाज में योगी आदित्यनाथ का नाम लिए बिना उनकी कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि जो दूसरों से प्रमाण पत्र मांगते हैं, उनके पास खुद का प्रमाण पत्र नहीं है। शंकराचार्य को मिली धमकियों के सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि उनके विचार महत्वपूर्ण हैं और वे नकली संतों के खिलाफ खड़े हैं। उन्होंने योग, खेल और विदेश यात्रा से जुड़े उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री पर तंज कसा।

अखिलेश यादव ने धुरंधर फिल्म और वेब सीरीज को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि जैसे फिल्मों में लिखा जाता है कि सभी पात्र काल्पनिक हैं। उसी तरह भाजपा भी कहानी गढ़ने का काम करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि फिल्मों और कंटेंट के जरिए समाज में भ्रम फैलाने की कोशिश की जा रही है, जो अगले कुछ वक्त में और ज्यादा होगा।

विजन इंडिया समिट को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने भारत की सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक समरसता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जयपुर की पहचान पिंक सिटी के रूप में केवल नाम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शहर सांस्कृतिक विविधता और समरसता का प्रतीक है।

मेरे लिए जनता के प्यार से बड़ा कोई पद नहीं : वसुंधरा राजे

जयपुर (कासं)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने स्पष्ट किया है कि झालावाड़ जिले के कामखेड़ा बालाजी प्रांगण में सांसद दुष्यंत सिंह की पदयात्रा के अवसर पर उनका वहाँ के लोगों से जो संवाद हुआ, उसे ग़लत संदर्भ से जोड़कर ग़लत प्रचारित किया जा रहा है, जो एक षड्यंत्र के अलावा कुछ भी नहीं है। राजे ने कहा कि मैंने कभी पद की बात नहीं की। मैं पहले भी कई बार कह चुकी हूँ कि मेरे लिए जनता के प्यार से बड़ा कोई पद नहीं है, जो प्रदेश में मुझे सर्वाधिक मिल रहा है। उन्होंने कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र से होकर एक फ़ोरलेन सड़क बन रही है। जिसके बाइपास का वहाँ के लोग एलाइमेंट बदलवाना चाहते थे। मैं उनको उदाहरण दे कर समझा रही थी कि धौलपुर में मेरे घर के सामने से राष्ट्रीय राजमार्ग निकला तो मुझे भी अपने घर की बाउंड्री पीछे लेनी पड़ी थी, मैं अपने आपके लिए नहीं लड़ सकी। जब मेरा घर ही रोड में चला गया। नियमों के कारण मैं अपना घर ही टूटने से नहीं बचा सकी तो आपका कैसे बचाऊँगी ? राजे ने कहा कि झालावाड़ को उन्होंने कभी राजनीतिक क्षेत्र नहीं माना, अपना परिवार माना है।

राजस्थान यूथ डायलॉग का फिनाले कल

जयपुर। यूनियन बजट 2026 पर आधारित माय भारत बजट क्वेस्ट का आयोजन 1 फरवरी से 22 फरवरी तक ऑनलाइन माध्यम से माय भारत पोर्टल पर हुआ। जिसमें 15 से 29 वर्ष के 12 लाख से अधिक युवाओं ने संपूर्ण देश में भागीदारी की। युवा मामले और खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में मेरा युवा भारत माय भारत बजट क्वेस्ट 2026 के जोन 14 राजस्थान राज्य के विजेता प्रतिभागियों के साथ राजस्थान यूथ डायलॉग का दो दिवसीय फिनाले का आयोजन 12 व 13 अप्रैल को किया जाएगा। इस संबंध में यूथ हॉस्टल में आयोजित प्रेस वार्ता में युवा मामले एवं खेल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता ने जानकारी दी।

राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला 17 से 24 अप्रैल तक लगेगा

जवाहर कला केन्द्र में होगा आयोजन, तैयारियां जोरों पर

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने बताया कि सहकारिता विभाग एवं राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ (कॉनफेड) द्वारा जयपुर में 17 से 26 अप्रेल तक 'राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2026' का आयोजन किया जाएगा। जवाहर कला केन्द्र में राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों की सहकारी संस्थाओं द्वारा गुणवत्तापूर्ण मसालों एवं अन्य उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री की जाएगी।

दक ने बताया कि सहकारिता विभाग एवं कॉनफेड द्वारा वर्ष 2003 से निरन्तर प्रतिवर्ष मसाला मेले का आयोजन किया जाता है, जो अब जयपुर की विशिष्ट पहचान बन चुका है। राष्ट्रीय स्तर के इस मेले का जयपुरवासियों को खास इंतजार रहता है और बडी तादाद में लोग इसमें खरीददारी के लिए पहुंचते हैं। मेले में आमजन को शुद्ध मसालों सहित अन्य गुणवत्तापूर्ण उत्पाद एक ही स्थान पर उपलब्ध होते हैं। उन्होंने बताया कि मसाला मेला सहकारी संस्थाओं, महिला समूहों एवं स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों के व्यवसाय, बिक्री एवं प्रचार के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करता है। राज्य की प्रमुख सहकारी संस्थाएं, जिला उपभोक्ता भण्डार, क्रय-विक्रय सहकारी समितियां, महिला सहकारी समितियां एवं स्वयं सहायता समूह मेले में स्टॉल्स पर अपने उत्पाद प्रदर्शित करते हैं।

सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक

सहकारिता मंत्री ने बताया कि इस बार मेले में 150 स्टॉल्स लगाई जाएगी, जिन पर उच्च गुणवत्ता के मसाले, श्री अन्न उत्पाद, ऑर्गेनिक उत्पाद, जीआई टैग उत्पाद, तेल, अनाज, हस्तनिर्मित एवं घरेलू उत्पाद आदि आमजन को उपलब्ध करवाये जाएंगे। उन्होंने बताया कि केरल की काली मिर्च एवं लौंग, इरोड (तमिलनाडू) की हल्दी एवं दालचीनी, गुंटूर (आंध्र प्रदेश) की लाल मिर्च एवं काजू, कश्मीर की केसर एवं ड्राई फ्रूट्स, पंजाब के चावल एवं रेडी टू ईट प्रोडक्ट, मध्य प्रदेश का सिहोरी गेहूं, मथानिया की लाल मिर्च, रामगंजमंडी एवं बारां का धनिया, नागौर का जीरा एवं कसूरी मैथी, जालोर की ईसबगोल, सिरोही की सौंफ, प्रतापगढ़ की हींग, चित्तौड़गढ़ की अजवाइन, पुष्कर का गुलकन्द, नाथद्वारा की ठण्डाई, भुसावर का अचार, राजसमंद का शर्बत, सोजत की मेहंदी, डूंगरपुर का आम पापड़, झाड़ोल की अरहर दाल, बीकानेर के पापड़ आदि मेले के मुख्य आकर्षण होते हैं।

जोजरी नदी क्षेत्र में पौधारोपण और अपशिष्ट समाधान के लिए एनआईएच जैसी संस्थाओं का विशेषज्ञ सहयोग लेंगे : अरोरा

प्रदूषण नियंत्रण मंडल पर्यावरणीय मानकों की पालना व औद्योगिक विकास में सहभागी : चेयरपर्सन

जयपुर। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की चेयरपर्सन अपर्णा अरोरा ने कहा है कि राज्य के सतत औद्योगिक विकास और पर्यावरणीय संतुलन बनाये रखने के लिए परस्पर सहयोग और समन्वय से कार्य किया जाएगा। उन्होंने जोजरी नदी के आसपास व किनारे किनारे पौधारोपण करवाने के निर्देश दिए, वहीं हाई रेट ट्रांस इवोप्रेशन सिस्टम एचआरटीएस अपशिष्ट के वैज्ञानिक समाधान के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी संस्थान जैसी विशेषज्ञ संस्थानों से समन्वय किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पर्यावरणीय मानकों की पालना सुनिश्चित कराते हुए प्रदेश के औद्योगिक और आर्थिक विकास में सहभागी की भूमिका निभा रहा है।

राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की चेयरपर्सन अपर्णा अरोरा शनिवार को राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पाली, बालोतरा और जोधपुर के टेक्सटाइल उद्योगों के जल प्रदूषण के संबंध में चर्चा कर रही थी। उन्होंने राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के कार्यों पर चर्चा करते हुए पाली, बालोतरा और जोधपुर टेक्सटाइल उद्योगों में पर्यावरणीय नियमों की पालना पर विचार विमर्श किया और राज्य के टेक्सटाइल सेक्टर में पर्यावरणीय नियमों की प्रभावी अनुपालना सुनिश्चित किये जाने हेतु कार्ययोजना बनाने की आवश्यकता भी प्रतिपादित की। नदी किनारे व आसपास के क्षेत्र में पौधारोपण से पर्यावरण संतुलन बनेगा। उन्होंने अधिकारियों को पूर्ण सजगता के साथ कार्य करते हुए पर्यावरणीय नियमों की पालना सुनिश्चित कराने पर जोर दिया।

राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की चेयरपर्सन अपर्णा अरोरा ने शनिवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पाली, बालोतरा और जोधपुर के टैक्सटाइल उद्योगों के जल प्रदूषण के संबंध में चर्चा की।

अरोरा ने कहा कि राज्य में सतत औद्योगिक विकास को बनाए रखने के लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के स्तर पर सभी सम्बंधित विभागों के साथ परामर्श एवं समन्वय बनाया जाएगा वहीं औद्योगिक संघों से भी समन्वय बनाते हुए प्रदूषण नियत्रंण में उनकी भागीदारी तय की जाएगी। बैठक में राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव कपिल चंद्रवाल, मुख्य पर्यावरण अभियंता प्रेमालाल, अतिरिक्त पर्यावरण अभियंता भुवनेश माथुर, अमित शर्मा, अधीक्षण वैज्ञानिक अभिषेक शर्मा, क्षेत्रीय अधिकारी जयपुर विवेक गोयल व मंडल मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों एवं क्षेत्रीय अधिकारी पाली, बालोतरा, जोधपुर एवं जयपुर (दक्षिण) ने हिस्सा लिया।

'तृतीय श्रेणी शिक्षकों के समानीकरण में नियमों की अनदेखी'

जयपुर। राधाकृष्णन शिक्षक संघ के जयपुर जिलाध्यक्ष कैलाश सैन ने कहा कि संस्कृत शिक्षा विभाग में तृतीय श्रेणी अध्यापकों के समानीकरण में नियमों की अनदेखी की गई। समानीकरण में जिस पंचायत में अधिशेष कर्मचारी कार्यरत है और उसी पंचायत मे पद रिक्त हों तो, पहले वही समायोजित किया जाता तो उचित रहता है। अगर उस पंचायत मे पद नहीं है तो आसपास की पंचायत अथवा पंचायत समिति, ब्लॉक या फिर उसी जिले मे पद रिक्त होने पर समायोजित किया जाता है। वरिष्ठता के आधार पर कॉउंसलिंग सें समायोजित किया जाता है। इसके बावजूद नियमों को दरकिनार करके जिले में पद रिक्त होने पर दूर-दराज के जिलों मे समायोजित किया गया है और न हीं कॉउंसलिंग प्रक्रिया को अपनाया गया है। विभाग ने सिर्फ मनमर्जी थोपी है। पहले तबादलों मे अपनी मनमर्जी थोपी गई, इसी सत्र सें ग्रीष्म अवकाश मे सें भी 10 दिन की कटौती कर दी गई।

ऑडी कार से एक की मौत और 14 घायल हुए थे

आरोपी को हाईकोर्ट से जमानत मिली

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पत्रकार कॉलोनी थाना इलाके में ऑडी कार की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत और 14 लोगों के घायल होने के मामले में आरोपी दिनेश को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने यह आदेश आरोपी दिनेश की जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए दिए।

जमानत याचिका में अधिवक्ता अंशुमान सक्सैना ने अदालत को बताया कि मामले में उसे झूठा फंसाया गया है। अभियोजन पक्ष प्रथम दृष्टया ही यह साबित नहीं कर सका कि घटना के समय वह कार चला रहा था। इसके अलावा न तो मामले में सीसीटीवी फुटेज पेश की गई और ना ही उसकी शिनाख्त परेड ली गई। ऐसे में केवल सह आरोपी के बयान के आधार पर उसे अपराध में शामिल किया गया है। प्रकरण में आरोप पत्र भी पेश हो चुका है। ऐसे में उसे जमानत दी जाए। जिसका विरोध करते हुए सरकारी वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता की कार का मालिक और चालक था।

उसके तेज गति से कार चलाने पर ही एक व्यक्ति की मौत हुई और 14 लोग घायल हुए। वहीं गिरफ्तार हुए कार सवार दो लोगों ने याचिकाकर्ता का ही नाम बताया है। यह कार याचिकाकर्ता को ही बेची गई थी। दुर्घटना के बाद आरोपी दस दिन तक फरार रहा और पुलिस को सूचना नहीं दी। ऐसे में उसे जमानत नहीं दी जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं।

महात्मा ज्योतिबा फूले विकास संस्थान की ओर से 200 प्रतिभाओं का किया सम्मान

■ रैली का शुभारंभ फूले सर्किल से संस्थान के अध्यक्ष प्रेमसिंह माली द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया

करौली। जिला मुख्यालय स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले विकास संस्थान करौली के तत्वाधान में महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के उपलक्ष्य में एक विशाल रैली एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ फूले सर्किल से संस्थान के अध्यक्ष प्रेमसिंह माली द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया।

रैली में कर्मचारी संख्या अध्यक्ष तुलसीराम माली, कस्बा अध्यक्ष रामगोपाल माली, उपाध्यक्ष राम सिंह किसान बाबूलाल मेंबर कमरपाल मैनेजर, हल्के ठेकेदार मंगरी करौली तहसील अध्यक्ष राम खिलाडी सहित बडी संख्या में समाजबंधु शामिल रहे। रैली में सजीव झांकी के रूप में कल ब्रिगेड के बने सिंह कुशवाहा कर से चल रहे थे रैली फूले सर्किल से रवाना होकर शिकारगंज, खादी भंडार , रंगगमा तालाब और लव-कुश वाटिका होते हुए संस्थान के छात्रावास परिसर पहुंची।छात्रावास परिसर में महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर सभी प्रतिभागियों ने पुष्पांजलि अर्पित की। इसके पश्चात भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया। रैली के दौरान विभिन्न स्थानों पर जेसीबी से पशु वर्ष के साथ में जलपान,पेय पदार्थ ,नाश्ता, फल एवं पोहा का वितरण किया गया।रैली के स्वागत में पार्षद नाहर सिंह एवं भक्त मंडल गोवर्धन की ओर से जेसीबी द्वारा पुष्प वर्षा की गई, जो विशेष आकर्षण का केंद्र रही। रैली में शामिल लोगों ने महात्मा फुले के जीवन एवं विचारों पर आधारित गीतों पर उत्साहपूर्वक नृत्य किया ।इस दौरान शिक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।रैली में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी शामिल हुए, जिनमें महात्मा ज्योतिबा फुले उच्च माध्यमिक विद्यालय, मंगल आदर्श माध्यमिक विद्यालय, वीणा वादिनी माध्यमिक विद्यालय, रामकिशन आदर्श माध्यमिक विद्यालय, एन एल उच्च माध्यमिक विद्यालय सहित अन्य स्कूलों के छात्र-छात्राएं शामिल रहे। उन्होंने आमजन को शिक्षा और पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। इस अवसर पर लगभग 200 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों, नवनियुक्त कर्मचारियों, अधिकारियों, सेवानिवृत्त व्यक्तियों एवं भामाशाहों को प्रतीक चिन्ह, साफा, बैग एवं नगद राशि भेंट कर सम्मानित किया गया।प्रतिभाओं को बैग गुरु कृपा ठोनाइट एंड मार्बल (अहमदाबाद), एमटी मार्बल (जेतपुरा, राजसमंद) एवं सोहम स्टोनेक्स माइंस (देवगढ़, राजसमंद) के राधेश्याम माली मेंगरी वालों की ओर से प्रदान किए गए एवं इनाम श्री बालाजी ठोनाइट एंड मार्बल (जुहापुरा, सरखेज, अहमदाबाद), ठेकेदार कल्ली माली (खूब नगर) एवं ठेकेदार वीरसिंह माली (महमदपुर) द्वारा दी गई। अन्य भामाशाहों ने भी तन, मन और धन से सहयोग प्रदान किया।इस अवसर पर प्रहलाद मास्टर, रामसिंह किसान, शिवदयाल, ठेकेदार मन्नू, ठेकेदार निरंजन, लक्ष्मणसिंह, पूर्व पार्षद नाहरसिंह, बाबूलाल ,पांच पुरा अध्यक्ष शंकर माली, रामगोपाल माली, डंगासरा अध्यक्ष श्रीफूल माली, रमजी सरपंच, विष्णु सरपंच, ज्योतिबा फुले अहमदाबाद समिति के कोषाध्यक्ष विष्णुचंद्र सैनी, धर्मी सैनी, पन्नूसिंह माली, रूपसिंह, बाबूलाल भगत, कल्याण माली, लक्ष्मणसिंह मानसिंह, श्याम पटेल, हेमराज, नाहरसिंह, धारासिंह माली, रंगलाल सैनी, मुकेश सैनी, शिवचरण सैनी सहित अनेक समाजबंधुओं का सहयोग रहा।

हिंगोटिया में 55 लाख की लागत से निर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र का हुआ लोकार्पण

■ ग्रामीण क्षैत्रो में बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता- मानसिंह गुर्जर

गंगापुर सिटी। विधानसभा क्षेत्र गंगापुर सिटी के अंतर्गत ग्राम हिंगोटिया में आज 55 लाख रुपये की लागत से निर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र का विधिवत लोकार्पण भाजपा जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर द्वारा किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मानसिंह गुर्जर ने कहा कि यह उप स्वास्थ्य केंद्र हिंगोटिया सहित आसपास के गांवों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता रही है और इसी दिशा में यह केंद्र एक सशक्त कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से क्षेत्रवासियों को समय पर प्राथमिक उपचार, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं तथा अन्य आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं सुलभ होंगी। गुर्जर ने कहा कि भाजपा सरकार आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और आधारभूत सुविधाओं के विकास के माध्यम से गांव-गांव तक विकास पहुंचाने का संकल्प लिया गया है, जिसे धरातल पर उतारा जा रहा है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को आश्वस्त किया कि क्षेत्र के समग्र विकास में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। इस अवसर पर उप जिला कलेक्टर बृजेंद्र मीणा ने अपने संबोधन में कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि इस प्रकार के उप स्वास्थ्य केंद्र स्थानीय स्तर पर चिकित्सा सेवाओं को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सार-समाचार

मशाल जुलूस,की होने वाली बैठक के लिए घर-घर बांटे पीले चावल

करौली। यूजीसी के विरोध में दिनांक 13 अप्रैल 2026 को आयोजित होने वाले मशाल जुलूस की सफलता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बस ऑपरेटर धर्मशाला, गुलाब बाग करौली में ऊधौ सिंह एडवोकेट की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठकआयोजित की गई। कार्यक्रम के सहसंयोजक नरेश सिंह बिनेगा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रस्तावित मशाल जुलूस पुरानी नगर पालिका से प्रारंभ होकर फूटा-कोट, सदर बाजार, बड़ा बाजार, वजीरपुर गेट होते हुए पुरानी कलेक्ट्रेट सर्कल स्थित हनुमान जी मंदिर पर समापन होगा।बैठक में अठावाल समाज के जिला अध्यक्ष मूलचंद अठावाल, पूर्व सरपंच महेश सिंह एवं पुरुषोत्तम शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यूजीसी का मुद्दा सामान्य समाज के लिए अत्यंत संवेदनशील है। उन्होंने इसे काला कानून बताते हुए कहा कि जब तक सरकार इसे वापस नहीं लेती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। साथ ही बताया कि यह मशाल जुलूस समाज को अंधकार से उजाले की ओर ले जाने के प्रतीक के रूप में निकाला जा रहा है। बैठक में जुलूस के समय में परिवर्तन करते हुए निर्णय लिया गया कि, अब यह जुलूस शाम 5:30 बजे के स्थान पर शाम 6:30 बजे पूर्व निर्धारित स्थान से प्रारंभ किया जाएगा।बैठक के उपरांत डॉ. देव कुमार शर्मा, दिनेश पचौरी, पूरन चंद शर्मा, राजेश सिंह राजावत सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने विवेक विहार क्षेत्र में जनसंपर्क कर पीले चावल बांटकर मसाल जुलूस में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि आगामी दिनों में जुलूस की सफलता हेतु व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा, जिसका नेतृत्व दिनेश पचौरी एवं अभय शास्त्री करेंगे।बैठक में प्रमुख रूप से मुकट बिहारी श्रुतिय, करणी सेना के संभाग अध्यक्ष सुधीर सिंह बिनेगा, कृष्ण कुमार शर्मा, नगेंद्र बॉस, ओम प्रकाश सिंह रामपुरा,महेश उपाध्याय,जुगल किशोर शर्मा,अरविंद पाल,नरेंद्र सिंह, रामकुमार शर्मा गाधौली, दीनदयाल शर्मा, सहित अनेक प्रबुद्धजन एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भीमराव अंबेडकर जयंती पर महासम्मेलन आयोजित

भरतपुर । सामाजिक क्रांति के अग्रदूत महात्मा ज्योतिबा फुले एवं भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती पर जाट समाज द्वारा भाई चारे के महासम्मेलन का आयोजन की पूर्व संध्या पर आयोजक राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ (रुक्टा) के प्रदेश महामंत्री एवं ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ यूनिवर्सिटी एण्ड कॉलेज टीचर्स ऑर्गेनाइजेशन के उपाध्यक्ष प्रोफेसर बनय सिंह, राष्ट्रीय लोक दल के जिला अध्यक्ष संतोष फौजदार एवं बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष राजाराम भूतोली संयुक्त प्रेस विज्ञिप्त जारी कर कहा कि महापुरुष किसी एक जाति - धर्म या समुदाय विशेष के नहीं होते हैं। उनका योगदान पूरी मानवता के लिए होता है। देश में खेत खलिहानों में साथ साथ काम करने वाले समुदाय एक दूसरे के सुख दुख के भागीदार होते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में कुछ शक्तिशाली लोग महज राजनीतिक लाभ के लिए लोगो को बांटने की कुचेष्टा कर रहे हैं जो समाज व देश के लिए हितकर नहीं है। सिंह के कहा जहां तक भरतपुर का सवाल है यह अपने स्थापना काल से ही लोकतांत्रिक- संवैधानिक - समावेशी और सामाजिक न्याय के मूल्यों का संवाहक रहा है। महाराजा सूरजमल के शासनकाल में खजाने की चाबी जाटव समुदाय के लोगों को दी जाती थी। महाराजा बलवंत सिंह ने गंगा मंदिर और जामा मस्जिद का निर्माण एक साथ करवाकर सामाजिक सौहार्द का परिचय दिया। भरतपुर के शासक सामाजिक समरसता के प्रति सजग रहे हैं। इस अवसर पर संतोष फ़ौजदार ने कहा कि ठाामीण भारत और उसमें निवास करने वाले लोग आत्मनिर्भर नहीं होंगे उनको रोज़गार नहीं मिलेगा तब तक भारत के आत्मनिर्भर की कल्पना एक सपना ही साबित होगा इसके लिए गाँव में रहने वाले सभी जाति धर्म के लोगों को सामाजिक व राजनीतिक रूप से एक जाजम पर लाना होगा यह सम्मेलन इसी दिशा में मील का पत्थर साबित होगा राजा राम भूतौली ने कहा कि इस कार्यक्रम में सभी समाजों के प्रमुख प्रतिनिधियों को आपसी सौहार्द व भाई चारे को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया जाएगा व इस दिशा में सामाजिक चेतना जाठात करने वाले लोगों को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया जाएगा आगे अनवरत रूप से ये कार्यक्रम आयोजित किए जाने के लिए रणनीति तय की जाएगी जिन महापुरुषों की जयंती पर यह आयोजन किया जा रहा है उन पर एक संघोष्ठी भी होगी।

गर्मी में रक्त के लिए रक्तदान शिविर लगाया

कोटा, (निसं)। गर्मी का मौसम आते ही शहर में रक्त की कमी महसूस की जाती है, दूर दराज से आने वाले मरीज के परिजन रक्त को लेकर सैंपल हाथ में लिए भटकते नजर आते हैं, इसी दृश्य को ध्यान में रखते हुए लायंस क्लब कोटा टेक्नो व टीम जीवनदाता द्वारा स्वप्रेरणा से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। लायंस क्लब कोटा टेक्नो के निदेशक व टीम जीवन दाता के संरक्षक व संयोजक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि लोगों की परेशानी को देखते हुए कई संस्थाओं के को मैसेज किया गया, समाज के सेवा भावी लोगों को बुलाया गया। गर्मी में रक्त की कमी के चलते आ ही परेशानी को बताया गया, उसके बाद सुबह से ही लोगों का अपना ब्लड सेंटर में आने का सिलसिला शुरू हुआ जो शाम तक जारी रहा। इस दौरान 29 लोगों ने रक्तदान किया। इस रक्तदान शिविर में नेगेटिव ग्रुप के लोगों को भी बुलाया गया, ताकि जो कमी आ रही है उसे पूरा किया जा सके। भुवनेश गुप्ता ने बताया कि 2 दिन में कई लोगों को रक्त भी बिना रिप्लेसमेंट के उपलब्ध कराया गया। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति का रक्त तीन लोगों के जीवन को बचाने का काम करता है। इस अवसर पर मनीष बंसल, मनीष माहेश्वरी, नितिन मेहता, वर्धमान जैन, भगत शर्मा, सहित कई लोग उपस्थित रहे। अनिल पारेता , दिनेश राठी, राकेश आर्या, हेमराज नागर, एकलव्य कृष्णमूर्ति, कुंदन प्रजापति, दीपांकर राजुरा, प्रदीप कुमार नागर, सुनील कुमार चौहान, कशिश महिंद्रा, कुलदीप कलवार, जगदीश शर्मा, नमन गुप्ता, शाहबाज खान, अभिषेक गोस्वामी, मानस रोहिडा, आकर्ष भंडारी, कार्तिक जेठी, ऐश्वर्या शर्मा, भावेश मीणा, अक्षांश खंडेलवाल, हिमांशु सिंह आदि का योगदान रहा।

कुन्हाड़ी माहेश्वरी महिला मंडल का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न, मोनिका बनी अध्यक्ष

कोटा, (निसं)। माहेश्वरी महिला मंडल कुन्हाड़ी की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह माहेश्वरी समाज कोटा के अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। पदस्थापना अधिकारी पुष्पा सोमानी ने अध्यक्ष मोनिका भराड़ीया, सचिव अनिता समदानी, उपाध्यक्ष भारती मूंदड़ा व नेहा तोषनीवाल, कोषाध्यक्ष शुभ्रा समदानी, संगठन मंत्री अनिता जाजू और सह सचिव उमा अटल को शपथ दिलाई। इसके साथ ही विभिन्न समितियों में रूचि समदानी, अनिता लड्ढा, रचना लड्ढा, श्वेता समदानी, निर्मला काबरा, संतोष असावा, वन्दना झंवर, इन्द्रा मालू, महिमा लड्ढा, चांदनी राठी, रिन्कू, मधु व मीनाक्षी फलोड़, लीना कहालिया, विनीता काल्या, अंकिता पनवाड़, अर्चना माहेश्वरी, गायत्री मूँदड़ा, मन्जू बल्दवा, शालिनि लड्ढा, प्रियंका शारदा, ऋतु व अंजलि तोषनीवाल, शाइनी काबरा, ज्योति पनवाड़ एवं पूजा राठी ने भी शपथ ग्रहण की। मुख्य अतिथि राजेश बिरला ने मातृशक्ति को समाज की धुरी बताते हुए नवीन कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में निवर्तमान अध्यक्ष कल्पना लड्ढा, सचिव अंकिता पनवाड़ सहित प्रदेश अध्यक्ष महेश चंद अजमेरा, जिला अध्यक्ष सुरेश काबरा, मनीष मूँदड़ा, बृजगोपाल भराड़ीया, कुन्ती मूँदड़ा, विनीता लहोटी, भारती डागा, संतोष तोषनीवाल, सरिता मोहता और अर्चना शारदा जैसे कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सार-समाचार

युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शंकर गौरा के जन्मदिन पर परिंदा अभियान का आयोजन

भरतपुर। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा, जिला भरतपुर द्वारा प्रदेश अध्यक्ष शंकर गौरा के जन्मदिन के अवसर पर परिंदा अभियान का आयोजन किया गया। यह अभियान जिला अध्यक्ष सौरभ ताखा के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर युवा मोर्चा से कृष्णा जाट ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष शंकर गौरा के जन्मदिन को सेवा और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के रूप में मनाते हुए जिले भर में विभिन्न स्थानों पर परिंदे (पानी के बर्तन) लगाए गए, ताकि भीषण गर्मी के दौरान पक्षियों को पानी के लिए भटकना न पड़े। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में तापमान में वृद्धि को देखते हुए यह अभियान निरंतर जारी रखा जाएगा और पूरे जिले में अधिक से अधिक स्थानों पर परिंदों में पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। युवा मोर्चा के कार्यकर्ता इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और अधिकाधिक लोगों को जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस दौरान युवा मोर्चा के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण एवं जीव-जंतुओं की सेवा का संकल्प लिया। इस मौके पर जिला मंत्री सुनील कुमार , नीरज गॉड , रॉकी जाटव ,नवाब सिंह, अजीत पाल ,राहुल , केशव , प्रभाकर फौजदार , मनीष चौधरी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे

पति ने प्रेमिका के साथ मिलकर पत्नी को पीटकर घर से निकाला, मामला दर्ज

रुदावल । गांव ब्रह्मवाद में एक विवाहिता के साथ उसके पति और उसकी प्रेमिका द्वारा मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। घटना के संबंध में पीड़िता ने पति व उसकी प्रेमिका के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। रुदावल पुलिस ने बताया कि गांव ब्रह्मबाद निवासी संगीता कुमारी ने मामला दर्ज कराया है कि उसकी शादी 22 अप्रैल 2016 को विक्रम सिंह के साथ हुई थी। विक्रम सिंह पेशे से मकान चिनाई का काम करता है। आरोप है कि काम के दौरान ही उसके संबंध एक महिला से हो गए, जो उसके साथ मजदूरी का काम करती है। पीड़िता के अनुसार उसका पति विक्रम सिंह अपनी प्रेमिका को लेकर घर पहुंचा और पीड़िता को घर से भाग जाने को कहा। जब संगीता ने विरोध किया और बच्चों के साथ उसी घर में रहने की बात कही तो दोनों आरोपियों ने उसके साथ लात-घूसों और डंडे से बेरहमी से मारपीट की। शोर मचाने पर पीड़िता की सास और देवरों ने बीच-बचाव कर उसे बचाया। आरोप है कि जाते समय अलमारी में रखे मजदूरी के 3 हजार रुपए भी जबरन निकालकर ले गई।

वीडियो वायरल करने की धमकी देकर शादी का दबाब बनाने का मामला कराया दर्ज

रुदावल । रुदावल थाना पुलिस में एक जने की ओर से सवाई माधोपुर निवासी एक युवक के खिलाफ इंस्टाठााम आईडी से मैसेज भेजकर परेशान करने करने एवं वीडियो वायरल करने की धमकी देकर जबरन शादी का दबाब देने का मामला दर्ज कराया है। रुदावल थाना पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र के ही निवासी एक जने की ओर से दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया है कि उसकी पुत्री को सवाई माधोपुर निवासी मनीष महावर जयपुर से बहला फुसलाकर ले गया था। जिसकी रिपोर्ट थाना बजाज नगर जयपुर में दर्ज कराई गई थी। अब मनीष महावर पिछले करीब 5-7 दिन से दूसरी इस्टाठााम आईडी लक्ष्मण शर्मा के नाम से बनाकर मैसेज कर रहा है। पीडित ने बताया कि उसने अपनी पुत्री की सगाई कर दी है। यह युवक उसकी पुत्री के ससुरालीजन व हमे फोन व कॉल, मैसेज कर धमकी दे रहा है कि या तो लडकी की सगाई कैंसिल कर दो नही तो इसकी शादी नही होने दूँगा। रिपोर्ट में बताया है कि आरोपित युवक मनीष डरा धमकाकर भय में डाल रहा है और भय में डालकर शादी का दवाब बना रहा है और फोटो वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा है।

रुपयों के तकादा करने की रंजिश को लेकर घर में घुसकर मारपीट

रुदावल । रुदावल थाना पुलिस में एक महिला की ओर से नामजद लोगों के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट करने का मामला दर्ज कराया है। रुदावल थाना पुलिस ने बताया कि गांव नारौली निवासी वीरवती पत्नि श्यामसुन्दर जाटव की ओर से इस्तगासा के माध्यम से दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया है शाम करीब 6 बजे वह अपने घर के अन्दर खाना बना रही थी। उसी समय एकराय मशविरा कर अपने हाथों में लाठी डण्डा लेकर विजय, रिंकेश, श्रीमती, राजेन्द्री, राकेश जाटव निवासी नारौली गालियां देते हुए घर के अन्दर घुस आए और लात घूसों व डण्डों से मारपीट करने लग गए।

सूरौठ में महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती धूमधाम से मनाई गई

■ घोड़ी की बोली मोहन भंडारा के नाम 63 हजार रु में रही, सर्व समाज के लोगों ने किया भव्य स्वागत सम्मान

सूरौठ। कस्बे के महात्मा ज्योतिबा फुले भवन में महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में समाज के लोगों, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

जयंती अध्यक्ष डॉ. ठंडी लाल सैनी, बाबूलाल सैनी एवं अध्यापक हरिमोहन पुष्पद ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक राजकुमारी जाटव उपस्थित रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथियों में हिंडौन विधायक अनीता जाटव, नेता प्रतिपक्ष दिनेश चंद्र सैनी , भाजपा नेता बंटी जाटव सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष शिवकुमार सैनी ने की।

वक्ताओं ने महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवन, उनके सामाजिक योगदान और शिक्षा एवं समानता के लिए किए गए प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का आ ान किया। कार्यक्रम के दौरान घोड़ी पर बैठने की बोली मोहन भंडारा के नाम 63 हजार रुपए में लगी, जिस पर समाज के लोगों ने उनका माला व साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया। अतिथियों ने फुले के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मंच संचालन देवीसिंह सैनी, रीतेश जगरिया , श्याम सुंदर सैनी, एवं महेश सैनी ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर विधायक अनीता जाटव ने सैनी समाज के विकास हेतु 10 लाख रुपए देने की घोषणा की, वहीं पूर्व विधायक राजकुमारी जाटव ने भी हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। शिवकुमार सैनी ने अपने संबोधन में बालिका शिक्षा पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम में सैनी समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को शील्ड व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सामाजिक एकता, शिक्षा और समानता का संदेश पूरे आयोजन का केंद्र रहा, जिसे उपस्थित लोगों ने सराहा।

कार्यक्रम के अंतर्गत भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो गंगापुर-भरतपुर मेगा हाईवे से होते हुए एसबीआई बैंक, डी मार्केट, गांधी स्मारक चौराहा और पीएनबी बैंक मार्ग से गुजरते हुए पुनः फुले भवन पहुंची। यात्रा में विभिन्न झांकियां और बैंड-बाजे शामिल रहे। जगह-जगह पुष्प वर्षा और जलपान के साथ शोभायात्रा का स्वागत किया गया। इस मौके पर पूर्व सरपंच नत्थू सिंह राजावत, विजयवाला शर्मा,पूर्व सरपंच नादान मीना, पुरुषोत्तम बंशीवाल अमरसिंह मीना देवानंद गुप्ता, मोहित राजपूत, वेदप्रकाश शर्मा, युवा उपाध्यक्ष गौरव सिंघल रामखिलाडी सैनी, बृजेश भारद्वाज, सत्येन्द्र बंशीवाल, हंसराज मीना, भरोसी सैनी, महेश सैनी, अशोक सैनी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

करौली कलेक्टर अक्षय गोदारा का किया अभिनंदन

करौली। नव नियुक्त जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा का करौली पदस्थापन पर दक्ष प्रजापति विकास संस्थान द्वारा गुलदस्ता भेंट कर अभिनंदन किया, संस्थान सचिव गंगाराम प्रजापत ने बताया कि जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा के करौली में पदस्थापन पर संस्थानपदाधिकारी करौली नगर परिषद के पूर्व सभा पति अजय प्रजापत के पिता रामेश्वरठेकेदार ने सामान्य शिष्टाचार ,अतिथि सत्कार के रूप में जिला कलेक्टर को गुलदस्ता भेंट कर अभिनंदन किया,करौली में पदस्थापित होते ही जिला कलेक्टर ने मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा की नांगल शेरपुर में आयोजित किसान सभा के सफल आयोजन ,जन समस्याओं के निस्तारण में विभागीय अधिकारियों को संवेदन शील रहकर निस्तारण कराने ,जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचवाने के सख्त आदेशों के लिए नव पदस्थापित जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा की कार्य शैली की सराहना की।

करनपुर वाली को गुमानो माता मंदिर पर लगाए छप्पन भोग

कैलादेवी/ करौली। करणपुर डांग क्षेत्र में विराजमान गुमानो माता करणपुर वाली के प्राकट्ययोत्सव पर माता रानी का करौली के चिकना फर्श स्थित मंदिर में छप्पन भोग लगाकर भक्तों ने शुक्रवार की देर रात महा आरती का आयोजन किया। करनपुर वाली गुमानो माता के अनन्य भक्त कैलाश चंद हरदेनिया के निज निवास चिकना फर्श पर स्थित माता के मंदिर पर फूल बंगला से सजाकर 56 भोग लगाए गए और महा आरती का आयोजन किया गया जिसमें गुमानो माता के भक्तों ने भाग लेकर माता के दर्शन लाभ लेते हुए मनौती मांगी और प्रसादी वितरण की।

हिंडौन सिटी में 'बाबा साहब को जानो' प्रतियोगिता आयोजित

■ 97 प्रतिभागियों ने लिया भाग

हिंडौन सिटी। राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर, ब्लॉक हिंडौन सिटी (जिला करौली) के तत्वावधान में शनिवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य में 'बाबा साहब को जानो' प्रतियोगिता 2026 का आयोजन जाटव छात्रावास, स्टेशन रोड पर किया गया। प्रतियोगिता में कुल 97 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं महात्मा ज्योतिबा फुले के चित्रों पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर संघ के ब्लॉक अध्यक्ष मनोज कुमार देवत एवं पर्यवेक्षक डॉ. ओमप्रकाश जाटव ने बाबा साहब अंबेडकर और ज्योतिबा फुले के जीवन, विचारों एवं समाज सुधार में उनके योगदान पर प्रकाश डाला।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 1100 रुपए, द्वितीय स्थान प्राप्तकर्ता को 551 रुपए एवं तृतीय स्थान प्राप्तकर्ता को 251 रुपए की राशि 14 अप्रैल 2026 को अंबेडकर जयंती के अवसर पर प्रदान की जाएगी। साथ ही सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम में अध्यक्ष एवं मार्गदर्शक के रूप में रिटायर्ड प्रधानाचार्य यादराम यादव, केंद्राधीक्षक उदय सिंह जाटव, पर्यवेक्षक डॉ. ओमप्रकाश जाटव, ब्लॉक अध्यक्ष एवं प्रभारी मनोज कुमार देवत, महामंत्री राम सिंह जाटव, कोषाध्यक्ष नेमीचंद जाटव सहित शेर सिंह सुमन, पंकज कुमार, लक्ष्मीबाई, वीरेंद्र कुमार एवं संघ के समस्त शिक्षकगण, गणमान्य नागरिक और सामाजिक कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा।

धूमधाम से मनाई महात्मा ज्योतिबा फुले की 199 वीं जन्म जयंती

श्रीमहावीरजी/ हिंडौन सिटी। कस्बा स्थित सैनी धर्मशाला पर शनिवार को महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिवाराव फुले की 199 वी जन्म जयंती भगवान सिंह सैनी की अध्यक्षता में धूमधाम के साथ मनाई गई एवं फूले दंपत्ति के द्वारा सर्व समाज के लिए किए गए कार्य एवं नारी उत्थान के लिए किए गए कार्यों पर वक्ताओं ने विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव फुले को नमन कर उनकी तस्वीर पर दीप प्रज्वलन कर माला पहनाकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस अवसर पर तरुण कुमार सैनी ने फुले दम्पति की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि फुले दम्पति द्वारा सैनी समाज को नहीं बल्कि पूरे समाज को एक नई दिशा दी है महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले ने सर्वप्रथम महाराष्ट्र में विद्यालय खोल कर महिला उत्थान एवं दलित वर्ग के लिए विद्यालय खोल कर्म को पढ़ाना शुरु किया एवं महात्मा ज्योतिबा फुले के आदर्शों को हमें अपनाना चाहिए और उनके आदर्शों से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर भीम सिंह, सुमन सैनी ने दलितों के मसीहा फुले दंपति को सरकार से भारत रत्न देने की मांग की। निर्मल, प्रेम सिंह सैनी, प्रवीण कुमार ने समाज की एकता, शिक्षा और सामाजिक सुधार तथा समाज के उत्थान के लिए कार्य करने एवं 12 आरक्षण की प्रमुख मांग के बारे लोगों को संबोधित किया। इस अवसर पर महात्मा ज्योतिबा फुले सैनी समाज श्री महावीर जी के चंदन सैनी, दिनेश, टिंकू सैनी, रवि कुमार, प्रेम सैनी, पवन कुमार, प्रवीणकुमार, सुमन सैनी, कन्हैया सैनी, विष्णु, कौशल, टीटू, सचिन, दीपक सहित सैनी समाज के पदाधिकारी मौजूद थे।

घर से शौच करने गई विवाहिता 3 वर्षीय बालिका के साथ हुई लापता

रुदावल। रुदावल थाना क्षेत्र के गांव चहल में अपने घर से जंगल में शौच के लिए गई एक विवाहिता अपनी 3 वर्षीय पुत्री के साथ लापता हो गई। रुदावल थाना एचएम वीरेन्द्र सिंह ने बताया कि गांव चहल निवासी महाराजसिंह पुत्र श्रीलाल जाटव की ओर से दर्ज कराई गुमशुदगी रिपोर्ट में बताया है कि दोपहर करीब 1 बजे उसकी पुत्रवधु अरूणा (25) पत्नि राजू जाटव अपनी पुत्री जानवी (3) के साथ घर से जंगल में शौच करने के लिए गई थी।

अवैध हथियार सहित एक युवक गिरफ्तार

रुदावल। अवैध हथियारों के खिलाफ पुलिस की ओर से चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत नारौली नहर के पास से एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक अवैध देशी कट्टा बरामद किया है। रुदावल पुलिस ने बताया कि एएसआई जितेंद्र सिंह अपनी टीम के साथ गश्त और चेकिंग पर थे। इसी दौरान सूचना मिली कि नारौली नहर पर एक संदिग्ध व्यक्ति अवैध हथियार के साथ खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस की गाडी को देखकर संदिग्ध व्यक्ति ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर गांव डुमरिया हाल ब्रह्मवाद निवासी सौरभ सिंह पुत्र वीर सिंह को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक 315 बोर का अवैध देशी कट्टा बरामद किया है। पुलिस ने हथियार को जब्त कर युवक के खिलाफ आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज किया है।

बच्चों में प्रथम 6 वर्षों में होता है मस्तिष्क का अधिकतम विकास

■ पोषण पखवाड़े के तहत कुम्हेर में कार्यक्रम आयोजित

कुम्हेर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित आठवाँ पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत दूसरे दिन बाल विकास परियोजना कुम्हेर द्वारा जीवन के प्रथम 6 वर्षों में अधिकतम मस्तिष्क विकास थीम पर विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर पोषण एवं प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास के महत्व को रेखांकित करते हुए जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें आंगनवाडी कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी रही। रैली के माध्यम से अभिभावकों को यह संदेश दिया गया कि बच्चे के जीवन के पहले 6 वर्ष उसके मस्तिष्क के सर्वाधिक विकास का महत्वपूर्ण काल होते हैं। अतः इस अवधि में उचित पोषण, समुचित देखभाल एवं उत्तेजनात्मक वातावरण अत्यंत आवश्यक है।

इसके पश्चात आंगनवाडी कार्यकर्ताओं के साथ गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें संतुलित आहार, स्तनपान, पूरक आहार तथा बच्चों के मानसिक एवं शारीरिक विकास में परिवार एवं समुदाय की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए सीडीपीओ कुम्हेर महेन्द्र अवस्थी ने बताया कि प्रारंभिक वर्षों में सही पोषण एवं देखभाल से बच्चों की सीखने की क्षमता, स्मरण शक्ति एवं समठा व्यक्तित्व विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि वे घर-घर जाकर अभिभावकों को इस विषय में जागरूक करें।

बाल विकास परियोजना कुम्हेर द्वारा आगामी दिनों में भी इस थीम पर आधारित विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जनजागरूकता बढ़ाई जाएगी।

इस अवसर पर लेखाकार अनिल गर्ग, महिला पर्यवेक्षक मिथलेश शर्मा, सीता खंडेलवाल, सीमा शर्मा, कनिष्ठ सहायक मेघा गर्ग सहित अनेक आंगनवाडी कार्यकर्ता, सहायिकाएं एवं स्थानीय महिलाएं उपस्थित रहीं।

निसंतान्ता एवं आईवीएफ परामर्श शिविर सम्पन्न

■ इस शिविर में आसपास के ग्रामीण एवं शहरी 30 मरीजों ने परामर्श लिया

भरतपुर। डॉ. कुसुम शर्मा हॉस्पीटल कैम्पस गोपालगढ भरतपुर में 11.4.26 को प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक निसंतान्ता एवं आईवीएफ परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। डायरेक्टर डॉ. कुसुम शर्मा स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ ने बताया कि इस शिविर में आसपास के ग्रामीण एवं शहरी 30 मरीजों ने परामर्श लिया, इसमें 8 दम्पत्ति ऐसे भी थे जो पूर्व में इलाज से लाभान्वित हो चुके थे। शिविर में जिन भी दम्पत्ति को बच्चा होने में किसी भी प्रकार की दिक्कत आ रही है, जिन महिलाओं को बच्चेदानी की रसोली, फैलोपियन ट्यूब ब्लॉक, बच्चेदानी में टीबी, बार बार गर्भधारण होने के पश्चात भी गर्भपात होना, अधिक उम्र होने पर महीना न आना या फिर संतान न होना, एक बार संतान होने पर दोबारा गर्भ धारण न होना, दो या तीन बार आईयूआई कराने पर भी असफलता मिलना, अनियमित माहवारी या अण्डों का नहीं बनना एवं समय पर नहीं फूटना और पुरूषों में शुक्राणु में कमी होना आदि किसी भी समस्या के कारण माता पिता बनने के सुख से वंचित रह गये हैं उन्हें संतान उत्पत्ति के लिए सही मार्गदर्शन दिया गया। इस शिविर में जयपुर के प्रसिद्ध डॉक्टर निशांत दीक्षित द्वारा निसंतान्ता एवं आईवीएफ के मरीजों के लिए परामर्श दिया गया। इस मौके पर पर अजय षर्मा, नरेन्द्र षर्मा, संजय तिवारी, सुरेष षर्मा, दीपक कुमार, करतार, बोबी, रवि, आदि मौजूद रहे।

पश्चिम मध्य रेल
कार्यालय मण्डल रेल प्रबंधक, कोटा
संख्या: सी-560/102/STBA/2026-27, दिनांक: 09.04.2026
एसटीबीए की नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रण के लिए अधिसूचना
भारत संघ के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, प.म.रे., कोटा** द्वारा निम्न कार्य हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। **आवेदन अधिसूचना सं.:** 02/2026-27. **कार्य का नाम: अनारक्षित टिकिट जारी करने के लिए कोटा मण्डल के 35 स्टेशनों पर एसटीबीए की नियुक्ति हेतु। आवेदन पत्र प्राप्त करने की अन्तिम तिथि एवं समय:** 05.05.2026 (मंगलवार), 13.00 बजे तक। **आवेदन पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय:** 05.05.2026 (मंगलवार), 13.00 बजे तक। **आवेदन पत्र खुलने की तिथि एवं समय:** 05.05.2026 (मंगलवार), 16.00 बजे। आवेदन पत्र एवं विस्तृत नियम व शर्तों को वेबसाईट **www.wcr.indianrailways.gov.in** से डाउनलोड किया जा सकता है अथवा इस कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।
स्वच्छ भारत अभियान - एक कदम स्वच्छता की ओर

आईपीएल लंबा होता है। बॉलीवुड के जुडने से मनोरंजन पर ज्यादा फोकस होता है। दूसरी ओर पीएसएल छोटा, अधिक रोमांचक और मैदान पर कड़ी प्रतिस्पर्धा वाला होता है। रुसो यही नहीं रुका उसने आगे कहा कि, दोनों लीग के अपने-अपने फायदे और नुकसान है। - **राइली रुसो**

दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज, आईपीएल और पीएसएल की तुलना करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

भुवनेश्वर कुमार

पावरप्ले में वैभव सूर्यवंशी ने तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को खास तौर पर परेशान किया। भुवी के दो ओवरों में उन्होंने 26 रन बटोरे। पहले ओवर में उन्होंने भुवी को दो चौके जड़े, जबकि पारी के पांचवें ओवर में 17 रन लूट लिए। पांचवें ही ओवर में उन्होंने सिर्फ 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। ये टी-20 गेम है। वह युवा है और बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है। वह काफी परिपक्वता के साथ खेल रहा है लेकिन हमें ऐसा नहीं लगा कि कोई हमें हावी होकर मार रहा है। अगर 15 साल का खिलाड़ी इस तरह खेल सकता है तो ये टी-20 का ही हिस्सा है हम ज्यादा चिंतित नहीं हैं।

क्या आप जानते हैं ?... युवराज सिंह की सबसे तेज़ फिफ्टी (अर्धशतक)12 गेंदों में है, जो उन्होंने 2007 टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ डरबन में लगाई थी। इस ऐतिहासिक पारी के दौरान उन्होंने स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में 6 छक्के भी जड़े थे।

आईपीएल के आयोजन में आरसीए देगा पूर्ण सहयोग : डॉ. मोहित

आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग में जिला संघों के समन्वय, घरेलू क्रिकेट सत्र, आरपीएल, निर्माणाधीन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, आरसीए क्रिकेट ऑपरेशन में सुधार पर चर्चा

जयपुर, 11 अप्रैल। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव की अध्यक्षता में आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग आज दोपहर 2 बजे आरसीए कार्यालय, आरसीए अकादमी, सवाई मान सिंह स्टेडियम में आयोजित हुई। आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग में संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव, सदस्य धनञ्जय सिंह खींवसर, आशीष तिवाड़ी, अर्जुन बेनीवाल, अरिष्ट सिंघवी उपस्थित रहे ।

संयोजक के अनुसार मीटिंग में मुख्य रूप से जयपुर में आईपीएल के आयोजन में राज्य सरकार, राजस्थान रॉयल्स को पूर्ण सहयोग आरसीए का घरेलू क्रिकेट सत्र व क्रिकेट ऑपरेशन्स में सुधार, जिला क्रिकेट संघों से समन्वय व लंबित कार्यों को दूर कर जिलों में सुविधाओं के विकास, राजस्थान प्रीमियर लीग (आरपीएल) के आयोजन की रुपरेखा, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद से समन्यव, राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में राजस्थानका प्रतिनिधित्व कर शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों हेतु आरसीए अवार्ड समारोह, जयपुर में निर्माणाधीन आरसीए के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की समीक्षा सहित विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा हुई।

संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव ने बताया कि हमारी एडहॉक कमेटी का मुख्य उद्देश्य जल्द से जल्द राज्य के युवा खिलाडियों को एक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण कर उन्हें एक उच्च स्तरीय खेल सुविधा उपलब्ध कराना है व जिसका उद्घाटन हम राज्य के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा करवाना चाहते हैं इसलिए आज सभी सदस्यों ने स्टेडियम के निर्माण के सभी सहयोगियों बीसीसीआई, आरसीए, बैंक व हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सहयोग की समीक्षा कर सभी के मध्य सामंजस्य बना स्टेडियम के निर्माण के मार्ग को प्रशस्त किया जाये।

आरसीए राजस्थान में क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था होने व राज्य में खेल के प्रति आधिकारिक जिम्मेदारी होने से हमारी एडहॉक कमेटी जयपुर में

आरपीएलके आयोजन में राज्य सरकार, बीसीसीआई व राजस्थान रॉयल्स को पूर्ण सहयोग देगी व साथ ही हम राज्य सरकार के आदेशानुसार आईपीएल के आयोजन, खेल मैदान, वेन्यू व मीडिया प्रबंधन सहयोग सहित हर स्तर पर पूर्ण सहभागिता देंगे।

बीसीसीआई कीराष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में राजस्थानका प्रतिनिधित्व कर शानदार प्रदर्शन करने वाले विभिन्न आयु वर्ग के पुरुष / महिला खिलाडियों को सम्मानित करने हेतु आगामी मई माह में आरसीए अवार्ड समारोह आयोजित किया जायेगा।

सदस्य धनञ्जय सिंह खींवसर के अनुसार आज एडहॉक मीटिंग में राजस्थान के युवा खिलाडियों को आईपीएल जैसा उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म राजस्थान प्रीमियर लीग (आरपीएल) के आयोजन द्वारा देने पर व्यापक चर्चा हुई। उन्होंने बताया की मीटिंग में पिछले आरपीएलजो गंभीर खामियां अनावश्यक रूप से पूर्व कार्यकारिणी द्वारा की गयी थी जिससे न केवल राज्य के युवा खिलाडियों को कई परेशानियों हुई थी साथ ही टीमों की नीलामी व एग्रीमेंट, खिलाडियों व सर्विस एजेंसियों को मैच फ़ीस व अन्य वित्तीय समस्याओं का सामना सहित आवश्यक खेल सुविधाओं से जो गम्भीत त्रुटिपूर्ण समझौता किया गया था उसे दूर कर हम केवल और केवल खिलाडियों को उच्च स्तरीय खेल वातावरण उपलब्ध कर उन्हें अपना शानदार प्रदर्शन दिखाने के लिए एक उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराएँगे।

सदस्य आशीष तिवाड़ी ने बताया कि मीटिंग में आरसीए के सभी जिला क्रिकेट संघो से समन्वय कर समस्त राज्य में खेल का विकास करेंगे। उन्होंने बताया की जिला क्रिकेट संघ आरसीए की रीढ़ है व उनके बिना राज्य में खेल का विकास करना लगभग असंभव है। हमारी कमेटी जिला क्रिकेट संघो से न केवल समन्वय स्थापित करेगी साथ ही जिला क्रिकेट संघो को प्रतिमाह जिले में खेल सुविधाओं के विकास हेतु 1 लाख रूपये का अनुदान देगी। आगामी दिनांक 15 अप्रैल से 31 मई के दौरान ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जायेगा जिसमे जिले के युवा खिलाडियों के प्रशिक्षण हेतु अधिक से अधिक खेल सुविधाओं को उपलब्ध करने के लिए आरसीए द्वारा 1 लाख रूपये का अनुदान दिया जायेगा

एडहॉक सदस्य अर्जुन बेनीवाल के अनुसार एडहॉक मीटिंग में आरसीए से जुड़े सभी लीगल मामलों क समीक्षा की जा रहे है व जल्द से जल्द सभी विवादित जिला क्रिकेट संघो व आरसीए से सम्बंधित लीगल मामलों की निपटाया जायेगा।

एडहॉक कमेटी सदस्य अरिष्ट सिंघवी के अनुसार आरसीए के घरेलू क्रिकेट सत्र के आयोजन के सम्बन्ध में हमने टीमों के स्पोर्ट स्टाफ, आरसीए पेनल के मैच ऑफिशल्स, खिलाडियों से व्यापक चर्चा की है व हमें क्रिकेट गतिविधियों के आयोजन के दौरान सभी उनके अनुभव व्यापक जानकारी प्राप्त हुई है। हम आगामी क्रिकेट सत्र में खेल गतिविधियों के आयोजन, क्रिकेट ऑपरेशन्स में व्यापक सुधार लाएंगे जिससे खेल व खिलाडियों को आवश्यक खेल सुविधाओं व सर्विस प्राप्त हो।

तीन हार के बाद चेन्नई को नसीब हुई जीत

दिल्ली कैपिटल्स को 23 रनों से हराया

चेन्नई, 11 अप्रेल। चेन्नई सुपर किंग्स ने शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल 2026 के 18वें मुकाबले में 23 रनों से हराया। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स की लगातार तीन हार के बाद पहली जीत है। वहीं दिल्ली कैपिटल्स को लगातार दूसरे मैच में हार का सामना करना पड़ा।

चेन्नई सुपर किंग्स ने सैमसन के शतक की बदौलत 20 ओवर में दो विकेट खोकर 212 रन बनाए, इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने अच्छी शुरुआत के बावजूद लगातार अंतराल पर विकेट गंवाने के कारण 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 189 रन ही बना सकी। चेन्नई के लिए ओवर्टन ने तीन विकेट चटकाए। चेन्नई सुपर किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ संजू सैमसन के शतक की बदौलत 20 ओवर में दो विकेट खोकर 212 रन बनाए। संजू ने चेन्नई के लिए सर्वाधिक 113 रन बनाए। दिल्ली की ओर से अक्षर पटेल ने एक विकेट लिया। इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स को केएल राहुल और निसांका ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 30 गेंद में 61 रन की साझेदारी हुई। राहुल 10 गेंद में 18 और निसांका 24 गेंद में 41 रन बनाकर आउट हुए। अक्षर पटेल एक रन ही बना सके। समीर रिजवी ने 6 रन बनाए। डेविड मिलर 14 गेंद में 17 रन बनाकर पवेलियन लौटे। आशुतोष 19 रन बनाकर आउट हुए। ट्रिस्टन स्टब्स ने 38 गेंद में 60 रन बनाए।

पहले बैटिंग करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत अच्छी रही है। संजू सैमसन और ऋतुराज गायकवाड के बीच पहले विकेट के लिए 62 रन की साझेदारी हुई। कप्तान ऋतुराज गायकवाड ने 18 गेंद में 15 रन बनाए। सैमसन ने 56 गेंदों की नाबाद पारी में 15 चौकों और चार छक्कों की मदद से 115 रन बनाए। उन्हें दूसरे छोर से आयुष महात्रे का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने रिटायर आउट होने से पहले 36 गेंदों में तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से 59 रन बनाए। सैमसन के आईपीएल करियर का यह चौथा शतक और सुपरकिंग्स के लिए पहला शतक है। कैपिटल्स के लिए एकमात्र सफलता अक्षर पटेल को मिली।

पीएसएल 2026 में बड़ा बवाल, डैरिल मिशेल ने उस्मान तारिक के एक्शन पर उठाए सवाल, खेलने से किया इंकार

नई दिल्ली, 11 अप्रेल। पीएसएल (पाकिस्तान सुपर लीग) के 18वें मैच में क्वेटा ग्लैडिएटर्स का मुकाबला रावलपिंडीज़ से हुआ। ग्लैडिएटर्स ने शानदार जीत दर्ज की, लेकिन डैरिल मिशेल और उस्मान तारिक के बीच की एक घटना सुर्खियों में छा गई। 183 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, डैरिल मिशेल उस समय वायरल हो गए जब उन्होंने क्वेटा ग्लैडिएटर्स के उस्मान तारिक के विवादास्पद गेंदबाजी एक्शन के कारण उनका सामना करने से इनकार कर दिया। गौरतलब है कि तारिक अक्सर अपने गेंदबाजी एक्शन को लेकर चर्चा में रहते हैं और कई लोग उन पर गेंद को चक करने का आरोप लगाते हैं।

हालाँकि, यह घटना दूसरी पारी के मध्य ओवरों में घटी; डैरिल मिशेल तारिक का सामना करने के लिए तैयार थे। लेकिन जैसे ही पाकिस्तानी गेंदबाज ने अपने ट्रेडमार्क रन-अप की तैयारी की, मिशेल, जो स्पष्ट रूप से निराश थे, कई बार क्रीज से उठकर चले गए। मैच की बात करें तो, क्वेटा ग्लैडिएटर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शुरुआत की और पहली पारी में 182 रन बनाए। सऊद शकील ने 42 रनों के साथ पारी की शुरुआत की, वहीं रिले रोसौव ने 53 रन और हसन नवाज ने 39 रन बनाकर टीम में अपना योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए रावलपिंडीज की टीम लय में नहीं आ पाई और लक्ष्य हासिल करने में नाकाम रही, जिसके चलते उसे हार का सामना करना पड़ा।

पिच क्यूरेटर तापोश चटर्जी को आरसीए एडहॉक कमेटी कन्वीनर डॉ. मोहित ने दी चेतावनी

जयपुर, 11 अप्रैल। आरसीए एडहॉक कमेटी कन्वीनर डॉ मोहित यादव ने पिछले दिनों मीडिया में दिए गए बयानों को लेकर पिच क्यूरेटर तापोश चटर्जी को चेतावनी दी गई है। आरसीए एडहॉक कमेटी कन्वीनर डॉ. मोहित ने बताया कि इस तरह की बयानबाजी आरसीए एडहॉक कमेटी के रहते हुए अब नहीं दी जा सकेगी। आरसीए से जुड़े हुए सभी कर्मचारियों को सूचित किया गया है कि जब तक पीआरओ मनीष शर्मा द्वारा ऑफिशियल न्यूज जारी नहीं की जाती है तब तक कोई भी किसी मीडिया को अपनी तरफ से बयानबाजी नहीं कर सकता है। अगर कोई भी इस तरह की बात करता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। आरसीए एडहॉक कमेटी कन्वीनर डॉ. मोहित ने कहा कि हमने पिच क्यूरेटर तापोश चटर्जी को इस बार चेतावनी दी है कि आइंदा ऐसा नहीं होना चाहिए।

अभिषेक शर्मा ने बल्ले से उड़ाया गर्दा, सनत जयसूर्या की बराबरी पर पहुंचे

मुल्लांपुर, 11 अप्रैल। आईपीएल 2026 में शनिवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। मुल्लांपुर के महाराजा यादविंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित इस मैच में अभिषेक ने 8 छक्के और पांच चौके की मदद से 28 गेंदों में 74 रन की पारी खेली। बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने इस दौरान सिर्फ 18 गेंदों पर फिफ्टी जमा दी। पंजाब किंग्स के खिलाफ लगातार तीसरे मैच में अभिषेक ने 50 प्लस स्कोर बनाया है। अभिषेक को पार्टटाइम स्पिनर शशांक सिंह ने अर्शदीप सिंह के हाथों कैच आउट कराया। पावरप्ले में अभिषेक ने तेज गेंदबाजों अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट और विजयकुमार वैशाक की जमकर खबर ली। पारी के पांचवें ओवर में तो अभिषेक शर्मा ने विजय कुमार को चार छक्के लगाए। अभिषेक ने अपनी इनिंग्स के दौरान 8 में से सात छक्के पावरप्ले में जड़े।

पंजाब किंग्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर लगाई जीत की हैट्रिक, अय्यर-प्रियांश और प्रभसिमरन का चला बल्ला

मुल्लांपुर, 11 अप्रैल। पहला मैच पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला गया। मुल्लांपुर में खेले गए इस मुकाबले को पंजाब किंग्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 6 विकेट से हरा दिया। इस दौरान कप्तान श्रेयस अय्यर, प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन ने बेहतरीन पारी खेली। सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 219 रन बनाए। अभिषेक शर्मा ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक जड़ा। बदले में पंजाब किंग्स ने 18.5 ओवर में 4 विकेट पर 223 रन बनाए। श्रेयस अय्यर, प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्या ने अर्धशतक जड़े।

हैदराबाद के लिए अभिषेक शर्मा ने 28 गेंद पर 74 रन बनाए। हेनरिक क्लासेन ने 33 गेंद पर 39 रन बनाए। ट्रेविस हेड ने 23 गेंद पर 38 रन बनाए। अनिकेत वर्मा ने 9 गेंद पर 18 रन बनाए। सलिल अरोड़ा ने 9 रन बनाए। नितीश कुमार रेड्डी बिना खाता खोले और हर्ष दुबे 1 रन बनाकर नाबाद रहे। पंजाब किंग्स के लिए शशांक सिंह ने 3 ओवर में 10 रन देकर 2 विकेट लिए। अर्शदीप सिंह ने 50 रन देकर 2 विकेट लिए जेवियर बार्टलेट ने 42 रन देकर 1 विकेट लिए।

पंजाब किंग्स के लिए कप्तान श्रेयस अय्यर ने 33 गेंद पर नाबाद 69 रन बनाए। प्रियांश आर्या ने 20 गेंद पर 57 और प्रभसिमरन ने 25 गेंद पर 51 रन बनाए। शशांक सिंह ने 9 गेंद पर नाबाद 15 रन बनाए। नेहल वढेरा ने 14 और कूपर कोनोली ने 12 गेंद पर 11 रन बनाए। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए शिवांग कुमार ने 3 विकेट लिए। हर्ष दुबे ने 1 विकेट लिया। पंजाब किंग्स के 4 मैच में 7 अंक हो गए हैं। वह अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है।

आयुष शेट्टी एशियन बैडमिंटन चैम्पियनशिप के फाइनल में

नई दिल्ली, 11 अप्रैल। भारतीय शटलर आयुष शेट्टी ने एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया है। आयुष से पहले दिनेश खन्ना ने 1965 में मेंस सिंगल्स में गोल्ड जीता था। सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने 2023 में डबल्स खिताब जीता था। 20 साल के आयुष ने चीन के झेजियांग में खेले गए सेमीफाइनल में टॉप सीड और डिफेंडिंग चैंपियन थाई प्लेयर कुन्लावत वितिदसर्न को तीन गेम में हराया।

मध्य प्रदेश वेटरन टीम ने राजस्थान वेटरन टीम को 38 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया

इंदौर, 11 अप्रैल। मध्य प्रदेश वेटरन क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित मध्य क्षेत्र वेटरन क्रिकेट लीग के फाइनल मुकाबले में मध्य प्रदेश वेटरन टीम ने राजस्थान वेटरन टीम को 38 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। मध्य प्रदेश की ओर से कप्तान सोहेल मसूद ने 87 रन नाबाद की शानदार पारी खेली, जबकि सैयद ज़ामरान जावेद कादरी ने 40 रन नाबाद बनाए। साथ ही कादरी ने गेंदबाज़ी में 18 रन देकर 4 विकेट लेकर शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। संजीव पटेल ने भी 25 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। राजस्थान टीम ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया। मध्य प्रदेश टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 210 रन बनाए।

टीम की ओर से पंकज धुल्ड (36 रन) और समी खान (31 रन) ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। राजस्थान की ओर से प्रमोद यादव और बनवारी लाल जाटोलिया ने 1-1 विकेट प्राप्त किया। जवाबी पारी में राजस्थान की ओर से हनुमत सिंह भाटी ने 58 रन और अभिषेक शर्मा ने 49 रन बनाए। इसके अलावा रियाज़ खान (15 रन) और बनवारी लाल जाटोलिया (13 रन) ही दोहरे अंक तक पहुंच सके।

वैभव सूर्यवंशी की तारीफ में शशि थरूर ने पढ़े कसीदे

नई दिल्ली, 11 अप्रेल। क्रिकेट जगत में हर तरफ वैभव सूर्यवंशी की चर्चा हो रही है। महज 15 साल की उम्र में इस खिलाड़ी ने अपने बल्ले से जो पहचान बनाई उसने कई लोगों को इसका मुरीद बना दिया है। अभी तक तो क्रिकेट जगत ही वैभव सूर्यवंशी की तारीफ कर रहा था लेकिन अब राजनेता और अपनी इंग्लिश के लिए मशहूर शशि थरूर भी उनके मुरीद हो गए हैं। थरूर ने वैभव की तारीफ में अपने एक्स हैंडल पर लंबी पोस्ट शेयर की। उनकी ये पोस्ट आरसीबी के खिलाफ खेली गई वैभव की पारी के बाद आई है। वैभव ने शुक्रवार को आरसीबी के खिलाफ गुवाहाटी में 26 गेंदों पर आठ चौके और सात छक्कों की मदद से 78 रन की पारी खेली। थरूर ने इस पारी के बाद वैभव की तारीफ में कसीदे पढ़े। थरूर ने इस दौरान वैभव की तकनीक से लेकर उनके बल्लेबाजी करने के अंदाज तक काफी कुछ लिखा।

राज्य स्तरीय सीनियर व जूनियर (महिला व पुरुष) आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक प्रतियोगिता का शुभारंभ

जयपुर, 11 अप्रैल। चैनपुरा इंडोर स्टेडियम में श्री श्री कानसिंह राठोड़, पूर्व महासचिव भारतीय जिम्नास्टिक्स महासंघ की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय सीनियर व जूनियर (महिला व पुरुष) आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक प्रतियोगिता का शुभारम्भ हुआ। प्रतियोगिता के प्रतिवेदन में राज्य सचिव परमेश्वर प्रजापत ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों के 225 बालक व बलिका एवं 40 निर्णायक इस चार दिवसीय प्रतियोगिता में भाग ले रहे है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफ. डॉ. महेंद्र सिंह राठौड़ एवं विशिष्ट अतिथि मनोहर सिंह पूर्व पार्षद, सम्पत सिंह जिला उपाध्यक्ष भाजपा, लक्ष्मन सिंह मंडल अध्यक्ष लाल सागर भाजपा, सुभाष गहलोत मंडल पूर्व अध्यक्ष भाजपा शहर, घनश्याम सोलंकी पूर्व मंडल अध्यक्ष लाल सागर तथा प्रतियोगिता के भामाशाह हरिसिंह गहलोत व राकेश परिहार ने जिम्नास्ट्स को आशीर्वाद दिया व हौसला बढाया।

उद्घाटन के अवसर पर जिम्नास्ट्स ने विभिन्न उपकरणों पर जिम्नास्टिक्स खेल का प्रदर्शन किया अतिथियों का स्वागत सर्वश्री भागीरथ पूनिया, रतन लाल प्रजापत, आनंद सिंह जोधा, भवानी सिंह खंगारोत द्वारा भवानीसिंह व नरेश सिंह की अगुआई में किया गया। प्रतियोगिता के विशिष्ट अथिति, राज्य संघ के उपाध्यक्ष विक्रम सिंह नाचना ने राज्य सरकार की खेलों के प्रोत्साहन की पञ्च गौरव योजना के सम्बन्ध में जिम्नास्ट्स को जानकारी दी। आयोजन सचिव डॉ. शक्तिसिंह रावलोत ने आगन्तुक अत्थियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ भागीरथ सिंह, डॉ. अंजू मेवाडा ने किया।

राजस्थान बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन का वार्षिक कैलेंडर जारी

जयपुर, 11 अप्रैल। राजस्थान स्टेट बॉडी बिल्डिंग संगठन ने अपना वार्षिक कैलेंडर चैंपियनशिप के सहित जारी किया। राजस्थान बॉडी बिल्डिंग संघ के अध्यक्ष नवीन यादव ने बताया कि आगामी ही मैन ऑफ राजस्थान जयपुर में 28 अक्टूबर 2026 को आयोजित की जाएगी, जिसमें बॉडी बिल्डिंग के 9 भार वर्ग व मैन्स फिजिक्स के तीन वर्ग रखे जाएंगे। 54 वीं मिस्टर राजस्थान स्टेट बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप का आयोजन राजसमंद में किया जाएगा, जिसमें 9 भार वर्ग व मैन्स फिटनेस फिजिक में तीन वर्ग होगें तथा मैन्स स्पोर्ट्स फिजिक व वूमेन फिटनेस फिजिक का एक वर्ग रहेगा। 29 वीं जूनियर मिस्टर राजस्थान बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप का आयोजन बूंदी जिले में किया जाएगा, जिसमें 6 भार वर्ग बॉडी बिल्डिंग के व दो वर्ग मैन्स फिजिक्स के रखे जाएंगे। वहीं छठी समर मिस्टर राजस्थान चैंपियनशिप का आयोजन अप्रैल, 2027 महीने में फलोदी में किया जाएगा, जिसमें बॉडी बिल्डिंग के 9 भार वर्ग व फिजिक्स के दो वर्ग रखे जाएंगे। नवीन यादव ने बताया कि 19 अप्रैल को राजस्थान स्टेट बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के प्रधान कार्यालय पर एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी साधारण सभा की बैठक प्रात: 11:30 बजे की जाएगी। उक्त बैठक में राजस्थान के अन्य संबंधित मुद्दों पर महत्वपूर्ण चर्चा होगी। उक्त सभी प्रतियोगिताओं में विजेता खिलाड़ियों को कैश प्राइज दिया जाएगा।

राजस्थान यूनाइटेड एफसी अगले मुकाबले के लिए तैयार

जयपुर, 11 अप्रैल। राजस्थान यूनाइटेड एफसी अब अपने अगले इंडियन फुटबॉल लीग मुकाबले में श्रीनिधि डेक्कन एफसी का सामना करने के लिए हैदराबाद की यात्रा पर निकलते हुए एक महत्वपूर्ण अवे मैच पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तैयार है। यह मैच 12 अप्रैल 2026 को डेक्कन एरीना, हैदराबाद में खेला जाएगा, जिसकी किक-ऑफ शाम 6:30 बजे (आईएसटी) निर्धारित है। लगातार पांच घरेलू मैचों के गहन दौर के बाद, आरयूएफसी अब अपने परिचित माहौल से बाहर कदम रख रहा है, अपने घरेलू समर्थकों के सामने बनाए गए आत्मविश्वास और लय को साथ लेकर। टीम ने इस होम रन के दौरान दृढ़ता और संकल्प का प्रदर्शन किया है और अब वह उसी फॉर्म को अवे मैच में भी दोहराने की कोशिश करेगी। चेयरमैन केके टाक ने कहा कि घरेलू मैदान पर लंबे और चुनौतीपूर्ण मुकाबलों के बाद, अब हम एक महत्वपूर्ण अवे मैच की ओर बढ़ रहे हैं। इस दौरान हमारे समर्थकों का साथ अविश्वसनीय रहा है।उनकी ऊर्जा और जुनून ने टीम को आगे बढ़ाया है। हम निश्चित रूप से स्टेडियम में उनकी मौजूदगी को मिस करेंगे, लेकिन हमें विश्वास है कि वे जहां भी हों, हमें अपना समर्थन देते रहेंगे। राजस्थान यूनाइटेड एफसी इस महत्वपूर्ण अवे चुनौती में मजबूत प्रदर्शन करने और महत्वपूर्ण अंक हासिल करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

एसबीएस क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 11 अप्रैल। अंडर-12 पिंकसिटी कप में एसबीएस क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 255 रन 6 विकेट के नुकसान पर बनाएं। विराट ने 110 और राम शर्मा ने 63 रनों का योगदान दिया। यति क्रिकेट अकादमी की ओर से आदित्य यादव ने 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी यति क्रिकेट अकादमी 20 ओवर में 74 रन पर ऑल आउट हो गई। एसबीएस क्रिकेट अकादमी की ओर से विराट ने 3, मयंक और समर ने 2-2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच विराट को चुना गया।

तीसरी गुलाबी नगर ओपन शतरंज टूर्नामेंट 2026 का भव्य आगाज

जयपुर, 11 अप्रैल। एसआरएन इंटरनेशनल स्कूल, जगतपुरा में 3 गुलाबी नगर ओपन शतरंज टूर्नामेंट 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। 60,000 की कुल पुरस्कार राशि वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का आयोजन 11-12 अप्रैल 2026 को किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता के चीफ आर्बिटर भगवती प्रसाद शर्मा हैं, जबकि टूर्नामेंट डायरेक्टर कार्तिकेय जोशी हैं। इस प्रतियोगिता में कुल 237 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें राजस्थान के विभिन्न जिलों जैसे जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, भीलवाड़ा, दौसा, नागौर, कोटा, चित्तौड़गढ़, सवाई माधोपुर, भरतपुर, अलवर, अजमेर, चूरू, सीकर और झुंझुनू से खिलाड़ी शामिल हुए। इसके अलावा राज्य के बाहर से इंदौर (मध्य प्रदेश) और हरियाणा के खिलाड़ियों ने भी भागीदारी की। टूर्नामेंट के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 4 राउंड तथा 12 अप्रैल को 3 राउंड खेले जाएंगे। तीसरे राउंड तक कई खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की है, जिनमें अर्नव गुप्ता, प्रनय चोरड़िया, देवेंद्र कुमार, राज कपूर, कव्यांश जैन, एआईएम वीर कुमार, विक्रमादित्य मुखीजा, अंजु चौमल और आशुतोष गोयल जैसे खिलाड़ियों ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर बढ़त बनाई, वहीं कुछ मुकाबले बेहद रोमांचक रहे और खिलाड़ियों ने उच्च स्तर की रणनीति का प्रदर्शन किया। यह टूर्नामेंट न केवल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान कर रहा है, बल्कि राजस्थान में शतरंज के विकास को भी नई दिशा दे रहा है, जिससे युवा खिलाड़ियों में खेल के प्रति उत्साह लगातार बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने बांदीकुई में 607 करोड़ रूपए के 213 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

ज्योतिबा फुले की 200वीं जयन्ती पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने महात्मा फुले के मिशन को आगे बढ़ाया

दौसा/जयपुर,11 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले का जीवन महिला, किसान, मजदूर समेत शोषित एवं वंचित वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित रहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महात्मा ज्योतिबा फुले के मिशन को आगे बढ ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सामाजिक एकता और समरसता के मार्ग पर चलकर भारत तेजी से आगे बढ रहा है।

शर्मा ने शनिवार को बांदीकुई में महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती एवं विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने ज्योतिबा फुले को सच्चा महात्मा कहा था। वहीं, बाबा साहेब ने इनको अपने तीन गुरुओं में से एक माना था। महात्मा ज्योतिबा फुले ने पिछड़ों और महिलाओं के मन में सामाजिक न्याय और शिक्षा की ज्योति जलाई। उन्होंने सामाजिक सुधार की शुरूआत सबसे पहले सावित्रीबाई फुले को शिक्षित कर की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को बांदीकुई में महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में दौसा जिले के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती के अवसर पर दौसा जिले में 607.66 करोड रुपये की लागत से 213 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इनमें ऊर्जा विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पशुपालन, स्कूल शिक्षा, स्वायत्त शासन, वन, कृषि, सार्वजनिक निर्माण, आयुर्वेद, ग्रामीण विकास, जल संसाधन एवं सहकारिता विभाग के विकास कार्य शामिल हैं।

शर्मा ने विभिन्न विकास कार्यों की सौगात देने के साथ ही बांदीकुई पॉलिटेक्निक कॉलेज का नाम महात्मा ज्योतिबा फुले के नाम पर करने, बांदीकुई दौसा रेलवे फाटक पर आरओबी निर्माण तथा बांदीकुई एवं बसवा नगरपालिका में सीवरेज व ड्रेनेज गैप के कार्य स्वीकृत करने की घोषणा की। साथ ही, प्रदेश के प्रत्येक ब्लॉक में एक उच्च माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों एवं युवाओं की शिक्षा के साथ विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 'सावित्री बाई फुले ई-लाइब्रेरी' की स्थापना एवंसमस्त जिलों में 'महात्मा ज्योतिबा फुलेआदर्श विद्यालय' स्थापित करने की घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, विधायक भागचंद टांकड़ा, राजेन्द्र मीना, रामविलास मीना, विक्रम बंशीवाल, हंसराज मीना, देवी सिंह शेखावत सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बांदीकुई पॉलिटेक्निक कॉलेज का नाम महात्मा ज्योतिबा फुले के नाम पर किया। उन्होंने विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रदेश के प्रत्येक ब्लॉक में ''सावित्री बाई फुले ई-लाइब्रेरी'' तथा समस्त जिलों में ''महात्मा ज्योतिबा फुले आदर्श विद्यालय'' की स्थापना करने की घोषणा की।**

'हमारे इरादे नेक हैं, पर, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बकर गलीबाफ और विदेश मंत्री अब्बास अराघची कर रहे हैं। वे शुक्रवार को पाकिस्तानी राजधानी में पहुँच गये।

पाकिस्तान की ओर जाते समय वैंस ने कहा कि उन्हें सकारात्मक परिणाम की उम्मीद है, लेकिन उन्होंने आगे कहा, ''अगर वे हमें धोखा देने की कोशिश करेंगे, तो उन्हें यह पता चलेगा कि वार्ता करने आई टीम उसे स्वीकार करने वाली नहीं है।''

ईरानी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख गलीबाफ ने भी सतर्क रुख अपनाया और कहा, ''हमारे इरादे अच्छे हैं, लेकिन हम भरोसा नहीं करते।''

ईरानी टीवी के अनुसार, गलीबाफ ने कहा, ''अमेरिका के साथ हमारी समर्ताता वार्ता हमेशा असफल तथा टूटने वाले वादों से भरी रही है।''

तेहरान ने कहा कि वार्ता तभी शुरू होगी, जब वॉशिंगटन उसकी शर्तों को स्वीकार करेगा, जिनमें लेबनान में युद्धविराम और ईरान के फंसे हुए संसाधनों की रिहाई शामिल है। उल्लेखनीय है कि इज़राइल ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम लेबनान पर लागू नहीं होता।

इस बीच, शनिवार को ट्रंप ने होर्मुज़ स्ट्रेट के रणनीतिक महत्व को कम करके दिखाते हुए सोशल मीडिया पर दावा किया कि कई खाली तेल टैंकर, जिनमें दुनिया के कुछ सबसे बड़े टैंकर भी शामिल हैं, वर्तमान में अमेरिका जा रहे हैं, ताकि सबसे ''बेहतरीन'' और ''शानदार'' तेल और गैस लोड की जा सके। उन्होंने ट्रुथ स्पेशल पर कहा कि अमेरिका के पास दो सबसे बड़े तेल उत्पादक देशों के संयुक्त उत्पादन से अधिक तेल है।

यह बयान वैश्विक ऊर्जा बाज़ारों में बढ़ी अस्थिरता के समय आया है, जहां टैंकरों की गतिविधियां होर्मुज़ स्ट्रेट में व्यवधान और अमेरिका-ईरान संघर्ष से जुड़ी हैं। जहां तक ट्रंप के उस दावे की बात है कि अमेरिका के पास दो सबसे बड़े तेल उत्पादक देशों के संयुक्त उत्पादन से अधिक तेल है, डेटा उन्हें आंशिक रूप से सही बताता है। हालांकि, यह देखना बाकी है कि क्या यह बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त होगा, जबकि अमेरिकी तेल मुख्य कच्चे तेल की कीमतों को यथावत रख सकेगा।

अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन 2026 के आँकड़ों में देश के कुल पेट्रोलियम तरल पदार्थ के उत्पादन को लगभग 22 मिलियन बैरल प्रतिदिन पहुंचने का अनुमान लगाया गया है। यह आँकड़ा अमेरिका को, रूस और सऊदी अरब के संयुक्त उत्पादन के बराबर या उससे थोड़ा आगे रखता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने जारी संघर्ष के दौरान ऊर्जा को बार-बार रणनीतिक और आर्थिक उपकरण के रूप में प्रस्तुत किया है। हाल ही में उन्होंने पश्चिम एशियाई देश की आलोचना की है कि वह होर्मुज़ स्ट्रेट में टैंकरों की आवाजाही को प्रतिबंधित कर रहा है, और चेतावनी दी कि तेल ''ईरान के सहयोग तथा उसके बिना भी'' प्रवाहित रहेगा।

ट्रंप ने अपने पोस्ट में खुले तौर पर लेन-देन वाले स्वर में अमेरिका के तेल को वैश्विक खरीदारों के सामने प्रस्तुत किया। टैंकरों के लिए उनके निमंत्रण और त्वरित कार्यवाही का वादा अमेरिकी वर्चस्व को तेल की मात्रा और गुणवत्ता, दोनों में बेहतर बताने का उद्देश्य लिए हुए था, जबकि वैश्विक बाजार वार्ता के बीच अस्थिर बने हुए हैं।

यह पोस्ट ट्रंप के पहले के बयानों की पृष्ठभूमि में आई है, जिनमें उन्होंने कहा था कि वे ''तेल अपने पास रखना'' और ईरान जैसे संघर्ष वाले क्षेत्रों से बहुत पैसा कमाना पसंद करेंगे, तब उन्होंने खुद को ''व्यवसायी'' के रूप में प्रस्तुत किया था।

अमेरिका-ईरान वार्ता शुरु हुई, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समर्थकों पर हमले बंद होने चाहिए।

रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका ने इज़राइल से कहा कि वह लेबनान पर हमलों में कमी करे और इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पास कोई विकल्प नहीं था, उन्हें इसके अनुसार कदम उठाना पड़ा। रिपोर्टों के अनुसार, दक्षिणी लेबनान पर, जहां हिज़बुल्लाह की सेनाएँ है, इज़रायल के हमले रुक गए हैं।

हालाँकि, अब तक ईरान ने होर्मुज़ स्ट्रेट खोलने के आ ान को लगभग नज़रअंदाज़ किया है। डॉनल्ड ट्रंप पहले इस बात पर ज़ोर दे चुके थे कि होर्मुज़ स्ट्रेट को अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग के रूप में मुक्त करना वार्ता की प्रगति के लिए आवश्यक है, लेकिन यह मुद्दा कम से कम सार्वजनिक रूप से नज़रअंदाज़ किया गया है।

डॉनल्ड ट्रंप के हाथ धीरे-धीरे बंधते जा रहे हैं और यह स्थिति उन्हें ईरान की मांगों के प्रति झुकने पर मजबूर कर रही है। अमेरिका में महँगाई तेजी से बढ़ रही है और युद्ध जारी रहने से स्थिति और खराब हो सकती है। मार्च में ही कीमतें लगभग 1 प्रतिशत बढ़ी और वार्षिक महँगाई 3.3 प्रतिशत है।

वार्ता दो एक्शन एजेंडा के इर्द-गिर्द चल रही है, एक अमेरिका की तरफ से 15 मांगों के साथ, दूसरा ईरान की तरफ से 10-बिंदु एजेंडा, पर ध्यान देने योग्य बात यह है कि ईरान का छोटा एजेंडा सबसे ज्यादा चर्चा में है।

ईरान ने यह भी मांग की कि उसकी शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा के उपयोग की स्वतंत्रता बनी रहनी चाहिए। ईरान 3.6 प्रतिशत तक यूरेनियम एनरिचमैंट का अधिकार चाहता है, जो नागरिक परमाणु ऊर्जा उत्पादन के लिए आवश्यक है।

साथ ही, ईरान के पास उच्च समृद्ध यूरेनियम का भंडार है, जो परमाणु हथियारों में इस्तेमाल योग्य है। अमेरिका मांग कर रहा है कि ये भंडार उसे सौंप दिए जाएँ और ईरान सहमत हो कि वह परमाणु हथियार विकसित नहीं करेगा। यह ईरान के लिए नई बात नहीं है और इस शर्त से उसका परमाणु कार्यक्रम जारी रखने का अधिकार प्रभावित नहीं होता।

वार्ता मुख्य रूप से नियमित कूटनीतिककर्मियों और उनके पारंपरिक तरीकों को बायपास करते हुए की जा रही है। उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस के लिए यह नया काम है और वे इसके लिए ठीक तरह से तैयार प्रतीत होते हैं। इसमें निश्चित रूप से स्पष्टता की आवश्यकता है।

खेड़ा को मिली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनके परिवार के बारे में खेड़ा द्वारा दिए गए बयानों के कारण दर्ज की गई थी। न्यायमूर्ति के सुजाना ने कहा कि भले ही एफआईआर असम में दर्ज हो, पर अदालत सीमित सुरक्षा दे सकती है, उन्होंने इसके पीछे सुप्रीम कोर्ट के अंतरराज्यीय मामलों में ट्रांज़िट जमानत के फैसलों का हवाला दिया। न्यायाधीश ने यह भी नोट किया कि खेड़ा ने गिरफ्तारी का युक्तिसंगत भय दिखाया है, विशेष रूप से तब जब असम और दिल्ली पुलिस द्वारा उनके दिल्ली निवास पर तलाशी और जब्ती की कार्रवाई की गई। यह मामला 4 अप्रैल को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद सामने आया, जिसमें खेड़ा ने आरोप लगाया कि असम के मुख्यमंत्री की पत्नी के पास तीन देशों के पासपोर्ट हैं। उन्होंने सरमा पर अवैध गतिविधियों में शामिल होने का भी आरोप लगाया। इसके बाद गुवाहाटी क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज की गई, जिससे भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत एफआईआर दर्ज हुई। कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि यह राहत अस्थायी है, ताकि खेड़ा सात दिनों के भीतर असम की सक्षम अदालत से नियमित अग्रिम जमानत प्राप्त कर सकें।

सोने के खनन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्य राष्ट्र अपने खनन कोड को सरल बना चुके हैं, ताकि गहरी खदानों की खोज के लिए आवश्यक अरबों रुपये के पूंजी निवेश को आकर्षित किया जा सके, वहीं भारत उपनिवेशकालीन नौकरशाही में फंसा हुआ है, जो हर खनिज जमा को राष्ट्रीय संपत्ति के बजाय संभावित विवाद के रूप में देखता है।

ईरान मान भी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उचित विचार के साथ होगा। अमेरिकी अधिकारी इस बयान को खानें हटाने की कठिनाइयों की स्वीकारोक्ति के रूप में देख रहे हैं। नौसैनिक खानों को हटाना स्पष्ट रूप से एक जटिल मुद्दा है। दुनिया की उन्नत सेनाओं, जिनमें अमेरिका भी शामिल है, के पास बड़े पैमाने पर खान सफाई के संसाधन नहीं हैं। रिपोर्टों के अनुसार, स्थिति और जटिल इसलिए भी हो गई है, क्योंकि अमेरिकी हमलों में ईरान के नौसैनिक बुनियादी ढांचे और जहाजों का एक बड़ा हिस्सा नष्ट हो गया है। इसलिए, न तो ईरान और न ही अमेरिका के पास इसकी स्पष्ट जानकारी है कि होर्मुज़ में कितनी खानों का अस्तित्व है, इस स्थिति के कारण वैश्विक शिपिंग के लिए गंभीर जोखिम है और दुनिया के इस सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग के पूर्ण रूप से पुन: खुलने में देरी होना स्वाभाविक है।

राहुल गांधी को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अब यदि राहुल ओबीसी एजेंडे के लिए आक्रामक रूप से प्रयास नहीं करते हैं, तो यह उनके लिए बड़ी समस्याएँ खड़ी करेगा; और यदि वे इसे उठाते हैं तो ऐसा लगेगा कि वे ओबीसी और दलित मुद्दों के बीच भ्रमित हैं। विशेष सत्र के तीन दिनों में भारी बहस और हंगामा होने की संभावना है, लेकिन मुख्य सवाल यह बना हुआ है कि क्या भाजपा बिल को पास करा पाएगी। धारणा की लड़ाई जारी है, जिसमें प्रत्येक राजनीतिक दल तैयार है कि वह अपना दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करे और मजबूत संदेश भेजे कि वे वास्तव में देश के हित में काम करने वाले सच्चे नेता हैं।

अब बची छुट्टियों का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पाने के लिए सेवानिवृत्ति का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। यह नियम पूरे देश में समान रूप से लागू होगा। पहले, अधिकांश राज्यों में लीव एन्कैशमेंट केवल इस्तीफा देने या सेवानिवृत्ति के समय ही भुगतान योग्य था। अब कर्मचारी प्रत्येक कैलेंडर वर्ष के अंत में अपनी संचित छुट्टी के लिए भुगतान का अनुरोध कर सकेंगे। नए नियमों के अनुसार, कर्मचारी अधिकतम 30 दिन की छुट्टी अगले वर्ष तक ले जा (संचित) सकते हैं। यदि आपकी संचित छुट्टी इस 30-दिन की सीमा से अधिक है, तो आपको कंपनी से उन अतिरिक्त दिनों के लिए वित्तीय मुआवजा प्राप्त होगा।

प्र.मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संक्षेप में ध्यान दिया, जो संसद की सामान्य कार्यवाही से अलग और दिलचस्प था।

विज़ुअल पर प्रतिक्रिया देते हुए, एक्स पर एक यूज़र ने कहा कि यह देखना उत्साहजनक है कि प्रधानमंत्री विपक्ष के नेता के साथ गंभीर बातचीत में लगे हुए हैं, और ऐसे क्षणों का प्रतीकात्मक महत्व गहन ध्रुवीकृत राजनीतिक माहौल में महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908